

PRASHANT PRESENTS

राज

कॉमिक्स
विशेषांक

मूल्य 20.00 संख्या 485

सुपर कमांडो श्रृंगार



सुदूर भविष्य के दो इंसानों में शर्त लगी कि ध्रुव का दिमाग बड़ा है या फिर भविष्य की वैज्ञानिक तकनीक और इस बात को साबित करने के लिए वैज्ञानिक इन्वेंशन प्रसा ने ध्रुव को भविष्य में बुलाने की ठान ली। उधर आर्मी डिपो से गायब होते हथियारों के आतंकवादियों के हाथों तक पहुंचने की घटना की जांच करने के लिए ध्रुव आर्मी डिपो में कैप्टेन बनकर तैनात हो गया लेकिन आर्मी डिपो में एक गुरिल्ले के द्वारा हथियारों की चोरी भी की गई और डिपो में विस्फोट भी हो गया। ध्रुव आश्चर्यजनक रूप से इस विस्फोट में बच गया और न जाने कैसे उसमें अद्भुत शक्तियां आ गईं। हथियारों के ट्रक को ले जा रहे रोबो ने ध्रुव से टकराने की कोशिश तो की पर उसे भागना पड़ा। लेकिन ध्रुव की शक्तियों से वह बच नहीं पाया और ध्रुव ने उसको राजनगर में जा दबोचा। पर तभी वहां पर रहस्यमय किंगकांग ने आकर ध्रुव को बेहोश कर दिया! दूसरी तरफ होश में आए ध्रुव ने अपने आपको भविष्य की दुनिया में पाया। तब उसको पता चला कि उसको डिपो में हुए विस्फोट से ठीक पहले ही भविष्य में बुला लिया गया था और इस वक्त वर्तमान काल में उसका रोबोट, रोबो से टक्कर ले रहा था। अब भविष्य की दुनिया में ध्रुव को यह साबित करना है कि विज्ञान से ज्यादा तेज है दिमाग और रोबोट से कहीं ज्यादा घातक है।

सुपरकमंडो ध्रुव

कथा:
जॉली सिन्हा

चित्र:
अनुपम सिन्हा

इंकिंग:
विनोदकुमार

सुलेख एवं रंग:
सुनील पाण्डेय

सम्पादक:
मनीष गुप्ता

मुझे तो यकीन ही नहीं हो रहा है! मेरे समय काल यानी सन् 2003 में मेरा रोबोट मेरा काम कर रहा है!

और बहुत खूबी से कर रहा है, ध्रुव! वहां पर इस वक्त अगर तुम खूद भी होते तो उससे बेहतर काम नहीं कर पाते!

यह तो समय ही बताएगा, प्रसा! फिलहाल तुम ध्रुव को यहां पर हुई समस्या के बारे में बताओ!

मैंने बताया था कि तुमको पहले यहां पर बुलाने का सफाया सिर्फ एक इर्त थी! और उस इर्त का कारण मेरा दोस्त-इंस्पेक्टर डाला था जो तुम्हारा बहुत बड़ा प्रशंसक है! लेकिन अब स्थिति बदल गई है!

ऐसा क्या हो गया है?

... हम प्रगति के उस दौर में पहुंच गए हैं जहां पर हम हर किस्म का लेन-देन कंप्यूटर के द्वारा ही करते हैं! हर इंसान के पास एक कोड है और उसके कोड के उस सफाई में क्रेडिट जमा कर दिए जाते हैं! फिर उसी क्रेडिट को विक्रेता के खाने में जमा कराकर मनचाही वस्तु खरीदी जाती है!

पूरे ग्रह का भविष्य खतरों में पड़ गया है। और साथ ही साथ मानव जाति भी नष्ट होने के कगार पर पहुंच गई है!

और इसका कारण हमारी प्रगति है!...

सीधी भाषा में कहें तो पैसों को हमारे युग में आंखों से देखना नहीं जा सकता! वह बस आंकड़ों के रूप में सफाई में जमा रहता है!

इतने बड़े काम को संभालने वाले कंप्यूटर को भी एक अत्यंत तेज गति के 'प्रोसेसर' की जरूरत होती है!

और इस नाजूक काम को संभालने वाले हमारे सुपर मेगा कंप्यूटर का प्रोसेसर है यह सिलिकॉन क्रिस्टल! हमको अभी-अभी खबर मिली है कि इसको चुरा लिया गया है!

समझा! पर इससे मानव जाति और पृथ्वी के नष्ट होने का खतरा कैसे पैदा हो गया है?

खुद ही देख लो! इंसान हर समय कुछ न कुछ खरीदता रहता है!

और जब वह उस चीज को रवरीद नहीं पाता तो उसको जबरदस्ती हासिल करना चाहता है!

इस समय जब कंप्यूटर, प्रोसेसर न होने की वजह से काम नहीं कर पा रहा है, तब कोई भी इंसान अपनी जरूरत की चीज रवरीद नहीं पा रहा है! इस कारण चारों तरफ लूटपाट मच गई है!

लोगों ने एक-दूसरे को ही मारना-काटना शुरू कर दिया है!

चारों तरफ जंगल राज हो गया है! हमारी सीमित संख्या वाली पुलिस या मिलिट्री इस लूटपाट को रोक पाने में असमर्थ है! अगर जल्दी ही वह क्रिस्टल न मिला तो चारों तरफ लाशें ही लाशें होंगी! कुछही घंटों में हम कई सौ साल पीछे चले जाएंगे!

लेकिन अगर तुम उनसे पहले क्रिस्टल तक पहुंच गए तो मैं तुम्हारे दिमाग को भी मान जाऊंगा और यह भी मान लूंगा कि प्रकृति विज्ञान से ज्यादा बड़ी होती है!

मैं विनाश रोकने के लिए ऐसा करना चाहता हूं! लेकिन मुझे इस युग के बारे में कुछ नहीं पता! मैं तो इस शहर का नक्शा तक नहीं जानता!



वैसे तो हमारी उन्नत वैज्ञानिक तकनीक से लैस हमारे जासूस क्रिस्टल का पता जल्दी ही लगा लेंगे!



जब दिमाग तुम्हारे साथ है तो डरते क्यों हो ध्रुव! वैसे भी तुम्हारा मार्ग दर्शन करने के लिए इंस्पेक्टर डाटा तुम्हारे साथ रहेंगे!

ठीक है! पर ऐसा मैं आपके चैलेंज के कारण नहीं बल्कि मानव जाति को बचाने के लिए करूंगा!

सन् 2003 - वर्तमान युग-

वह रहस्यमय किंगकांग
ध्रुव को अपने साथ ले
गाया, और हम कुछ भी
नहीं कर पाए!

ओफ़! ये... ये मैंने
क्या किया? मैंने क्यों किंग-
कांग की बात मानी! और अभी
भी मैं कुछ नहीं कर पाया! पर
अब मैं अपने आपको आजाद
महसूस कर रहा हूँ!

ये आप क्या कह रहे हैं, पापा? ये किंगकांग कौन है? ऐसा लगता जैसे कि आप उसको पहले से ही जानते हों। क्या यही वह डारब्स था जिसने आपको हरियारों की तरकारी के लिए मजबूर किया था? अगर ऐसा है तो आप ये भी जानते होंगे कि किंगकांग ध्रुव को कहां ले गया है! हमें ध्रुव को बचाना होगा!

हां! सिर्फ ध्रुव को बचाना ही नहीं होगा, बल्कि किंगकांग को भी काबू में करना होगा! और यह काम आसान नहीं होगा! मैं भी उसके आदेश से तभी आजाद हो पाया जब मैंने माल को दूसरे के हवाले कर दिया!

मैं कुछ समझी नहीं!

फिर भी हमको ध्रुव को बचाने के लिए जाना ही होगा, रोबो!

ठीक है! मैं मूसा से हैल्मी-कॉप्टर तैयार करने को कहता हूं!

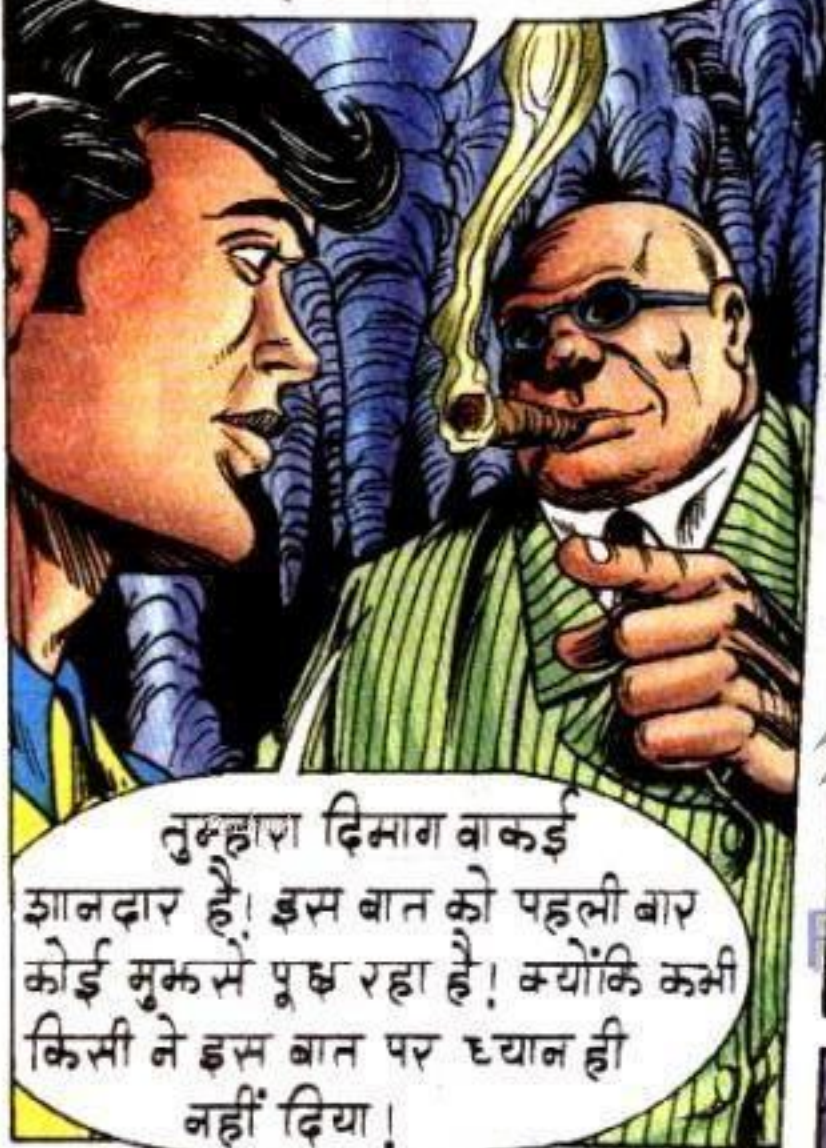
मैंने किंगकांग को उसका माल ले जाने से मना कर दिया था! लेकिन उसने मेरी आंखों में देरबा और मैं उसका काम करने के लिए मजबूर हो गया! किंगकांग के पास कुछ आश्चर्यजनक शक्ति है नताशा!

ध्रुव जहां पर भी था, गहरी मुसीबत में था-

हम पहली बार मिल रहे हैं सुपर कमांडो ध्रुव! तुम मुझको नहीं जानते, लेकिन मैं तुमको बहुत अच्छी तरह से जानता हूं!

तुमने पहले भी मुझको काफी नुकसान पहुंचाया है! लेकिन अब तुम अपनी हंठें पार कर गए हो! और ऐसा तुम सिर्फ इस लिए कर पाए, क्योंकि तुमको कहीं से आश्चर्य-जनक शक्तियां मिल गई हैं! मैं जानना चाहता हूं कि ये शक्तियां तुमको कैसे मिलीं!

बता दूंगा! मेरा क्या जाता है? पर पहले तुम बताओ कि आखिर तुम क्या चाहते हो? पैसा तो नहीं चाहते होगे! वरना ऐसी सड़ी और सीलन भरी गुफा के बजाए किसी आत्मी शान स्पयरकंडीशंड बंगले में रह रहे होते!



तुम्हारा दिमाग वाकई शानदार है! इस बात को पहली बार कोई मुझसे पूछ रहा है! क्योंकि कभी किसी ने इस बात पर ध्यान ही नहीं दिया!

अब सारी दुनिया के आतंकवादियों को मैं हथियार और गोला-बारूद सप्लाई करता हूँ! अब सिर्फ यह बताना बाकी रह गया है कि इसके पीछे मेरा मकसद क्या है!

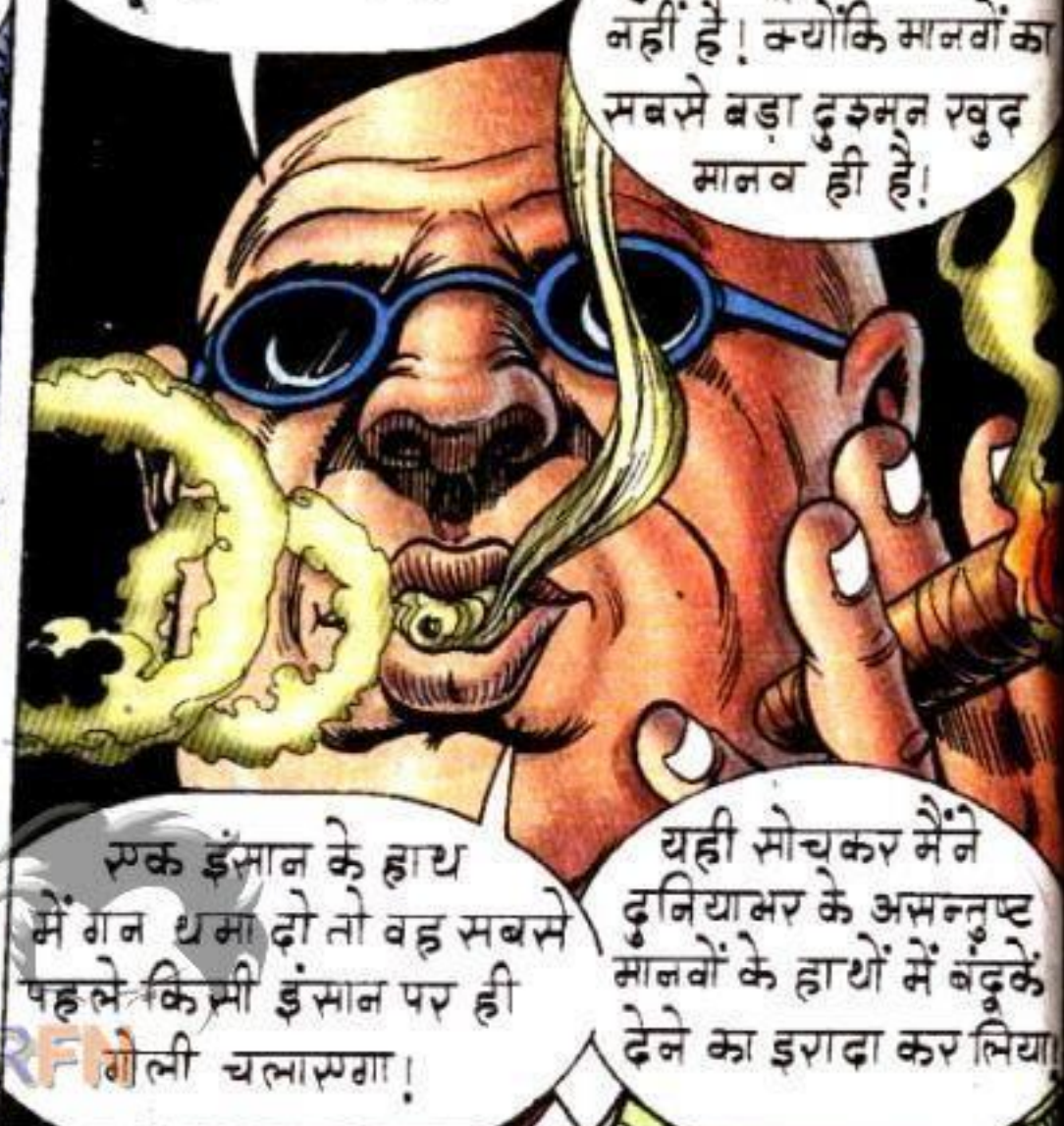


और वह मैं तुम्हें मरने से पहले जरूर बताऊंगा!

ये मेरा वादा है!

जरूर बताना!

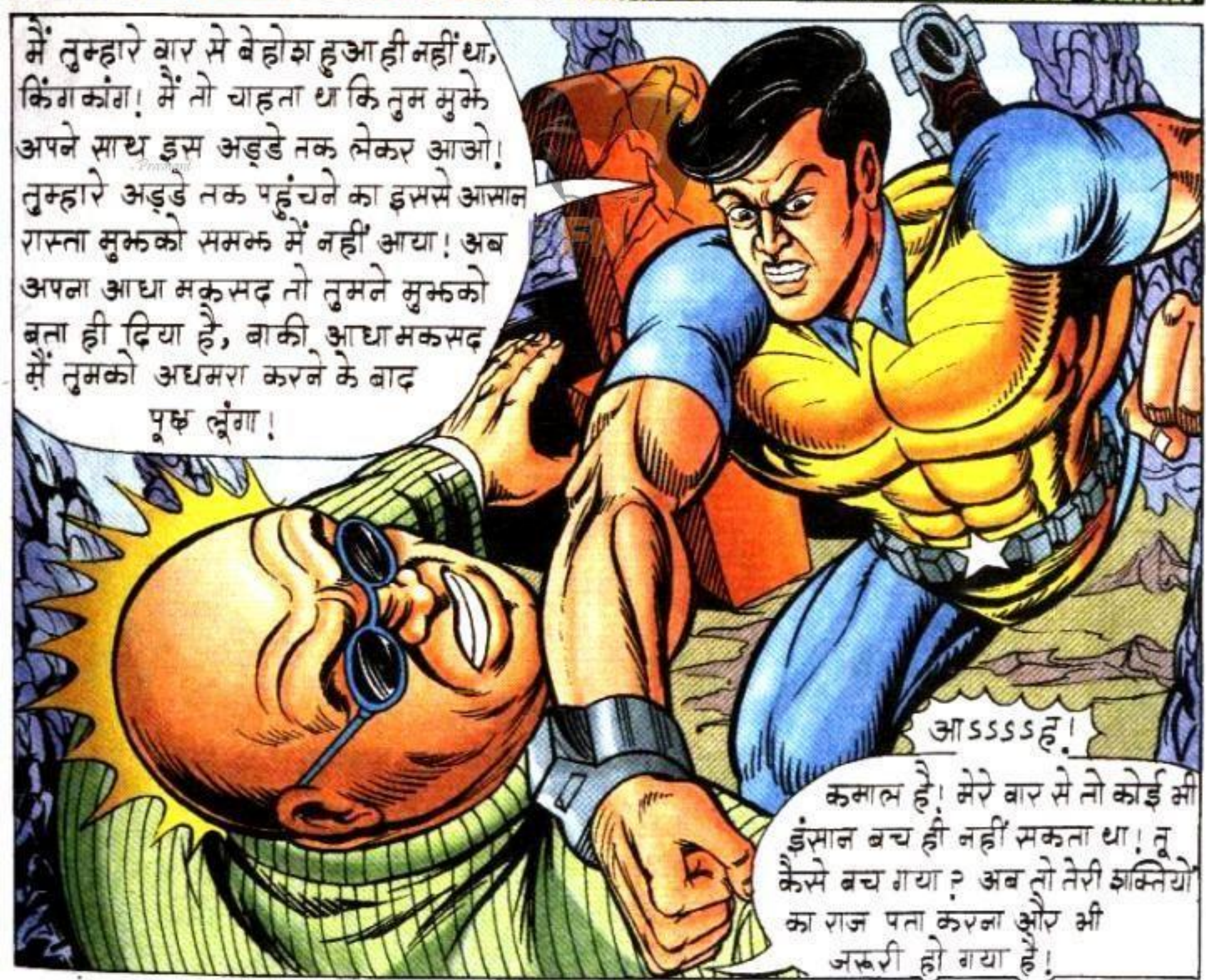
पैसा कमाना कभी भी मेरा मकसद नहीं रहा! पैसा तो मेरे हाथों की मैल है! जब रगड़ूंगा, पैसा पैदा हो जाएगा!



मेरा मकसद है मानवों की तबाही! और उसके लिए मुझे मानवों का दुश्मन दुंदने की जरूरत नहीं है! क्योंकि मानवों का सबसे बड़ा दुश्मन खुद मानव ही है!

एक इंसान के हाथ में गन थमा दो तो वह सबसे पहले किसी इंसान पर ही गोली चलाएगा!

यही सोचकर मैंने दुनियाभर के असन्तुष्ट मानवों के हाथों में बंदूकें देने का इरादा कर लिया!



सन् 2196-

हम इस युग के सबसे बड़े अपराधी संगठन हैं। अगर हमने सिलिकॉन क्रिस्टल को नहीं चुराया तो फिर ये काम और किसका हो सकता है?

जिसका भी यह काम है हमको उसको ढूँढ़ निकालना होगा। इस क्रिस्टल पर हमारी नजर बहुत वर्षों से थी, लेकिन कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण हम कामयाब नहीं हो पा रहे थे। अब जबकि उस क्रिस्टल को सुरक्षा घेरे से निकाल लिया गया है, तब हमें उसको हासिल करना ही होगा। अगर वह क्रिस्टल हमारे हाथों में आ गया तो मानवों की किस्मत और उनका भविष्य भी हमारे हाथों में आ जाएगा!

ऐसा ही होगा! आज तक सिर्फ एक इंसान हमको रोक पाने में सफल हो पाया था! और यह बात लगभग दो सौ साल पहले की है!

तुम सुपर कमांडो ध्रुव की बात कर रहे हो! अरे, अब ऐसे इंसान कहां पैदा होते हैं!

वैसे भी बुरी बातें याद मत रखा करो!

ऐसी बुरी घटनाएं याद नहीं...
... अरे! खौं खौं खौं...

क्या हुआ? पीते-पीते ड्रिंक कैसे सरक गया?

इमेज मेकर पर देरव! खौं खौं खौं! तेरी पेंट सरक जाएगी!

ऐसा क्या दिख रहा है स्क्रीन पर? अरे...

...स... सुपर... सुपर कमांडो ध्रुव! इस युग में! यहां पर! पर कैसे?

ये जरूर किसी की झरारत है! कोई इंसान ध्रुव का रूप धरे हुए है!

हो भी सकता है! और नहीं भी!

जांच करनी होगी! अपने आदमी को इसे रोकने के लिए भेजो!



क्योंकि तुम्हारा काम तमाम करने आ गया है वैक्यूम बूम !

बचो, ध्रुव !
तुरन्त गाड़ी से बाहर निकलो !

ऐसा क्या है इस वैक्यूम बूम में जो तुम्हारे जैसा जांबाज इंसपेक्टर भी इससे बचने की कोशिश कर रहा है ?

ये इस शताब्दी का सबसे खतरनाक हथियार है, ध्रुव ! यह वैक्यूम ग्रेनेड फेंककर वायुरहित वैक्यूम पैदा कर देता है !

और उस वैक्यूम के अंदर हर ऐसी चीज फट जाती है जिसमें प्रेशर युक्त कोई भी चीज लगी हो ! जैसे गैस से चलने वाली हमारी कारें...

या जमीन के नीचे
स्थित हमारी गैस और वाटर
पाइप लाइने...



... और इसका
सबसे बुरा असर होता है
इंसानों पर! जिनके शरीर
के अंदर बहते रक्त का
दबाव उनकी नसों और
स्नायु को फाड़कर उनकी सिर्फ
रक्त से सजी लाइनें
बना देता है!

आप लोगों के पास
तो अत्याधुनिक हथियार
हैं! कायद पूरे ग्रहों को
धूल का गुबार बना
देने लायक हथियार
भी हो! फिर इस
हथियारे को आप लोग
रक्तम क्यों नहीं
कर पाते?

हमने इस पर न्यूक्लियर
हथियारों तक का प्रयोग कर लिया है
ध्रुव! लेकिन नुकसान हमारा ही हुआ,
इसका नहीं!

ये रक्त भी एक 'वैक्यूम झीलड'
में रहता है! हमारा कोई भी हथियार
इसकी 'वैक्यूम झीलड' को पार नहीं कर
पाता है!



अगर हम निर्वात में जिन्दा नहीं रह सकते तो ये निर्वात में कैसे जिन्दा रह लेता है?

इसकी यही खासियत तो अभी तक इसकी रक्षा कर रही है! यह निर्वात में ही जिन्दा रहता है! इसीलिए हर वक्त इसके चारों तरफ एक 'वैक्यूम शील्ड' चढ़ी रहती है!

अगर हम किसी तरह से इसके फेफड़ों में हवा पहुंचा सके तो यह बेबस हो जाएगा!

यह आइडिया हमको भी कई बार आ चुका है! पर हवा को इसके कवच के अंदर तक पहुंचाना असंभव है!

तब तो इसको खत्म करना काफी आसान है बिट्टा!

तब तो हमें पहले इसकी 'वैक्यूम शील्ड' को नष्ट करना पड़ेगा! इसको 'वैक्यूम शील्ड' पैदा करने के लिए किसी न किसी ऊर्जा के स्रोत का इस्तेमाल तो करना ही पड़ता होगा! बस, हमको उसी स्रोत यानी सौर को नष्ट करना है!

मैं तुम्हारा बड़ा प्रशंसक हूँ ध्रुव! पर ऐसी सलाहें देकर तुम मुझको निराश कर रहे हो! ऐसे तरीके तो हम ख़ुद भी सोच सकते हैं!

और मान लो कि अगर किसी तरह से हवा इसकी 'वैक्यूम-शील्ड' के अंदर पहुंच भी गई तो ये उसको पलभर में बाहर निकाल फेंकेगा!

दरअसल इसकी ऊर्जा का स्रोत तो इसका शरीर ही है! और उसको नष्ट करने के लिए पहले वैक्यूम शील्ड को नष्ट करना पड़ेगा! देखा, बात वहीं की वहीं आ गई!

निराश होने की जरूरत नहीं है
इंस्पेक्टर मिट्टा! अब मैं कोई और
तरीका सोचूंगा!

उसका समय हमको शायद
न मिल पाए ध्रुव! क्योंकि अब
यह हमको कैद करने के लिए
निशाना साधकर 'वैक्यूम बम'
छोड़ रहा है!

जल्दी ही कोई न कोई बम की
निर्वात कैद हमको अपने अंदर
रबींचकर हमको भी मांस के
लोथड़ों में बदल देगी!



तब तक कोई
आड़डिया आने तक बचते
रहना होगा, मिट्टा!

बचने के रास्ते खत्म हो रहे हैं ध्रुव!
अब यह अपने 'वैक्यूम बमों' को
बाहनों के अंदर फेंक रहा है! अब
वैक्यूम बम कारों को अंदर से फाड़ेगा
और घातक नुकीले धातुई टुकड़े
चारों तरफ हवा में उड़ेंगे!

और कोई न कोई टुकड़ा
हमको अपना निशाना बना ही
लेगा!

आहह!



मिट्टा! ओफ़!
मिट्टा बेहोश हो
रहा है! अब तो
मुझे बचाना तो दूर
सत्ताह देने वाला
भी कोई नहीं है!



ओफ़! वैक्यूम बमों के
निशाने मेरे पास आते
जा रहे हैं!



ध्रुव ने बचने की
कोशिश तो भरपूर की-

लेकिन वैक्यूम के बढ़ने
की गति बहुत तेज थी-

आsssह! इस
वैक्यूम गोले ने
मुझको अपनी
कैद में ले लिया है!
अब मैं यहां से
बाहर नहीं निकल
सकता!

ओह! भरने के
अंदर से आते पानी
का प्रेशर भरने को
तोड़ रहा है! मुझे
इसके उड़ते हुए
टुकड़ों से भी बचना
होगा!

लेकिन भरने के उड़ते
टुकड़ों से बचकर होगा भी
क्या? यह वैक्यूम तो दो पलों
में ही मेरी सारी नसों को फाड़-
कर मेरे खून को शरीर से
बाहर निकाल लेगा!

मौत, ध्रुव को दबोचने ही वाली थी-

ओह! ये पानी का तालाब!
अब इसके अंदर ऐसा कोई
प्रेशर नहीं है जिस पर वैक्यूम
का असर हो सके!

मैं पानी में भी सांस ले सकता हूँ!
और पानी के अंदर रहकर मैं
वैक्यूम से भी बच सकता हूँ!

फेफड़ों से तो हवा
पहले ही निकल
चुकी है!

अब बचने का
कोई रास्ता नहीं
है!

तू पानी में इतनी देर से घुसा है लेकिन फिर भी तेरा दम नहीं घुटा! अब मुझे खुद ही तेरा दम घोटना पड़ेगा!

अपनी 'वैक्यूम. झीलड' के साथ तुमको कैद रखने वाले 'वैक्यूम गोले' में घुसना पड़ेगा मुझे!



और तेरी सुल्हायम गर्दन को अपने इन दो हाथों से तोड़ना पड़ेगा!



यही तो मैं चाहता हूँ! अब मेरे और इसके बीच में कोई रुकावट नहीं है!

अब ये जैसे ही मुझे पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाएगा, वैसे ही मैं इसके हाथ को पकड़कर...



... इसको पानी के अंदर रखींच लूंगा! जो इंसान वैक्यूम में जीने का आदी हो वह पानी या हवा जैसे माध्यम में अपने होशो हवास कायम नहीं रख सकता!

इस बार ध्रुव का खयाल सही था-



पानी, 'वैक्यूम बूम' का दम घोट रहा था-

आsssह! गड़ब! ये... ये पानी मेरे होठों कीन रहा है! और मुझे अपनी 'वैक्यूम डीलड' को फिर से बनाने का मौका नहीं दे रहा है! आहह! गड़ब!

वैसे-वैसे ही

उसके शरीर की ऊर्जा से चलने वाली उसके वैक्यूम बमों की निर्वात कैद भी कमजोर पड़ने लगी-

जैसे-जैसे 'वैक्यूम बूम' के होठ गायब होते गए-

यानी मैं जीत गया हूँ, और वैक्यूम बूम हार गया है!

और जल्दी ही बाहर के वायुमंडल के दबाव ने वैक्यूम गोले को भेदना शुरू कर दिया-

आsssह! अब मैं सांस ले सकता हूँ! नसों पर खून का बढ़ता दबाव भी खत्म हो गया है!

कमाल कर दिया तुमने ध्रुव! जिस पर न्यूक्लियर हथियार तक बैठा रह रहे, उसको तुमने पानी पिला-पिलाकर हरा दिया! पहले मैंने तुम पर डाक किया था! अपने भगवान पर डाक किया था!

उसके लिए मुझे माफ़ कर देना!

प्लीज इम्पेक्टर! ऐसी बातें कह कर मुझे शर्मिन्दा न करें!

सबसे पहले तो हमको इस गुन्थी को सुलझाना होगा कि इस युग में आपके अलावा ऐसा और कौन है जो मुझको सिर्फ जानता ही नहीं है, बल्कि उसको मुझसे खतरा भी है!

वर्ना वह मुझको मारने के लिए इस झान्डी के सबसे खतरनाक हथियार को न भेजता!

झायद वहां पर हमको कोई ऐसा सूबूत मिल सके जो हमको उस इंसान या कहीं दौतान तक पहुंचा सके जिसने मुझ पर हमला करने की कोशिश की थी। क्योंकि मुझे लग रहा है कि इन दोनों घटनाओं के पीछे एक ही शरवस का हाथ है!



तुम तो उस बीते जमाने की याद हो ध्रुव, जिसको आज के इंसान कभी के भूल चुके हैं। समझ में नहीं आता कि आज के युग का इंसान, प्राचीन युग के किसी इंसान से क्यों डरेगा?

समझना तो पड़ेगा इंस्पेक्टर। फिलहाल हमको क्रिस्टल की चोरी वाले घटनास्थल पर चलना चाहिए।



ऐसा ही होगा ध्रुव! वह तुमको क्रिस्टल ढूंढने में रोकना चाहता होगा। वर्ना तुम पर कोई भी भला हमला क्यों करेगा?

पर यहां तो न कोई पहरेदार है और न ही अलार्म सिस्टम।

इस युग में उनकी जरूरत है भी नहीं ध्रुव!



जल्दी ही- ध्रुव और इंस्पेक्टर डाला घटना-स्थल पर थे-

यहीं पर क्रिस्टल रखा हुआ था ध्रुव! कुछ घंटों पहले तक!

तुम तो कह रहे थे कि यहां पर बड़ी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है!



क्रिस्टल तक पहुंचने के लिए हमको सबसे पहले अपनी 'क्वियरेंस चिप' को इस स्कैनर में डालना होगा!

और जैसे ही स्कैनर चिप को स्कैन करेगा...

दीवार में बना यह खांचा खुल जायगा! एक 'क्लियरेंस कार्ड' से एक ही खांचा खुलेगा! तुमको भी अपने कार्ड से एक खांचा खोलना पड़ेगा! और फिर इस खांचे में खड़े हो जाने पर इसमें लगी 'चलित-बेल्ट' हमको अंदर लगी एक लिफ्ट तक ले जाएगी!



और जल्दी ही-

अब हम लिफ्ट के अंदर आ गए हैं ध्रुव! यहां पर मुझको अपना पुलिस बैच का कोड डायल करना पड़ेगा! तब ये लिफ्ट चलेगी!

तब तो हमको यह भी पता चल सकता है कि क्रिस्टल की चोरी से ठीक पहले यहां पर कौन-कौन आदमी आए थे!



वह लिस्ट हमने पहले ही निकाल ली है ध्रुव! उन सभी लोगों की छानबीन पुलिस के डिटेक्टिव कर रहे हैं!

लेकिन अभी तक कोई भी ऐसा आदमी नहीं मिला है जिस पर डाक किया जा सके!



और वह आदमी तुमको मिलेगा भी नहीं ध्रुव! इससे पहले कि तु मुझ तक पहुंच सके!

मैं तुम्हें घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दूंगा! सिर्फ मिट्टा या उसके दोस्त ही नहीं, मैं भी जानता हूँ कि तू कितना खतरनाक है! इसलिए तुम्हें अपने तक नहीं पहुंचने दूंगा मैं!



दो अलग-अलग हत्यारे ध्रुव के पीछे पड़े हुए थे! और दोनों के मकसद अलग-अलग होते हुए भी एक थे-

दोनों ही ध्रुव नाम के खतरे को समझते थे और उसको क्रिस्टल तक पहुंचने से रोकना चाहते थे-

लेकिन पूरा कोड भर नहीं पाया-

लेकिन ध्रुव ने उनके पास पहुंचने की कोशिश जारी रखी हुई थी-

ये कॉरीडोर सिलिकॉन क्रिस्टल

लेकिन उससे पहले मुझे एक और सीक्रेट कोड के कब तक जाना है! इसमें भरना पड़ेगा!

वर्ना हमारे इस कॉरीडोर के काले हिस्से में घुसते ही लेजर किरणों का सिम्योरिटी वेब चालू हो जाएगा! जो हमको पलभर में जलाकर खाक कर देगा!

मिट्टाने शुरुआत तो की-

आsss हू! फोटॉन मैन!

फोटॉन मैन? ये कैसी मूर्खी बात है?

फोटॉन मैन कैसी मुसीबत है इसके बारे में कोई कुछ नहीं जानता। इसके बारे में मैंने सिर्फ सुन ही है। ये प्रकाश कण फोटॉन से बना एक प्राणी है। यह प्रकाश की गति से चल सकता है और उच्च तापमान भी पैदा कर सकता है।

ये एक मिलट्री प्रोजेक्ट है। इसको तो अभी सिर्फ प्रायोगिक स्तर पर होना चाहिए था। ये... पूरा बनकर यहां कैसे आ गया?

इस पर तो हमारा कोई भी हथियार असर नहीं करेगा!

अब तो ये आ ही गया है पर ये अब करेगा क्या?

कोड पूरा नहीं भर पाया है। लिफ्ट भी बंद हो चुकी है। हम वापस नहीं जा सकते। अब या तो हम इसके हजारों डिग्री गर्म हाथों को छूकर मरेंगे या उस लेजर किरण के जाल पर मरेंगे जो हमारे द्वारा फर्श को दाबे जाते ही पैदा हो जाएगा।

और ये हमको उस तरफ ही धकेलने की कोशिश कर रहा है!

क्रिस्टल में दिल्चस्पी रखने वाले हर डारम की निगाहें उस दृश्य पर टिकी हुई थीं-

ये क्या हो रहा है? ये तो फोटॉन मैन है! हमको यह पता तक नहीं था कि इसको बना लिया गया है। पर... पर अगर हमने इसको नहीं भेजा तो इसको भेजने वाला भला कौन हो सकता है!

वह चोर जिसने क्रिस्टल चुराया है! फोटॉन मैन को उसी ने भेजा होगा ताकि ध्रुव मारा जाए और उस तक न पहुंच पाए!



फिर हमको क्या करना चाहिए? रूनी सजेशन?



हमको फोटॉन मैन पर नजर रखनी होगी! यह हमको क्रिस्टल के चोर तक भी पहुंचाएगा और ध्रुव को भी मारेगा! हमारे दोनों काम हो जाएंगे!

ध्रुव और सिटारस्क ऐसे प्राणी के सामने पड़ गए थे जिसका निर्माण उस उच्च तकनीक से हुआ था, जिस तकनीक के पास खुद उसको नष्ट कर पाने का तरीका नहीं था-

आsssह! मेरा पैर काले हिस्से पर पड़ गया है ध्रुव! और मेजर वेब बनना शुरू हो गया है! हम दोनों तरफ से घिर चुके हैं! अब हम नहीं बचेंगे!



मौत सिर्फ 2196 में ध्रुव के सामने थी-

सन् 2003 में तो ध्रुव
खुद मौत का रूप धारण
कर चुका था-

तेरा खेल खत्म
हो गया है किंगकांग!
अब अगर तू खुद खत्म
होना नहीं चाहता तो
मुझको मानवों को नष्ट
करने के पीछे छिपा हुआ
अपना मकसद बता
दे!

वह मकसद
तो बाद का है!

फिलहाल तो मेरा मकसद तेरी
आश्चर्यजनक शक्तियों का रहस्य
जानना है! और यह भी कि तुम
पर मेरी शक्तियों का असर क्यों
नहीं हो रहा है!

रोबोट ध्रुव भविष्य की वैज्ञानिक शक्तियों से युक्त होने के बावजूद भी
किंगकांग की शक्तियों का मुकाबला नहीं कर पा रहा था-

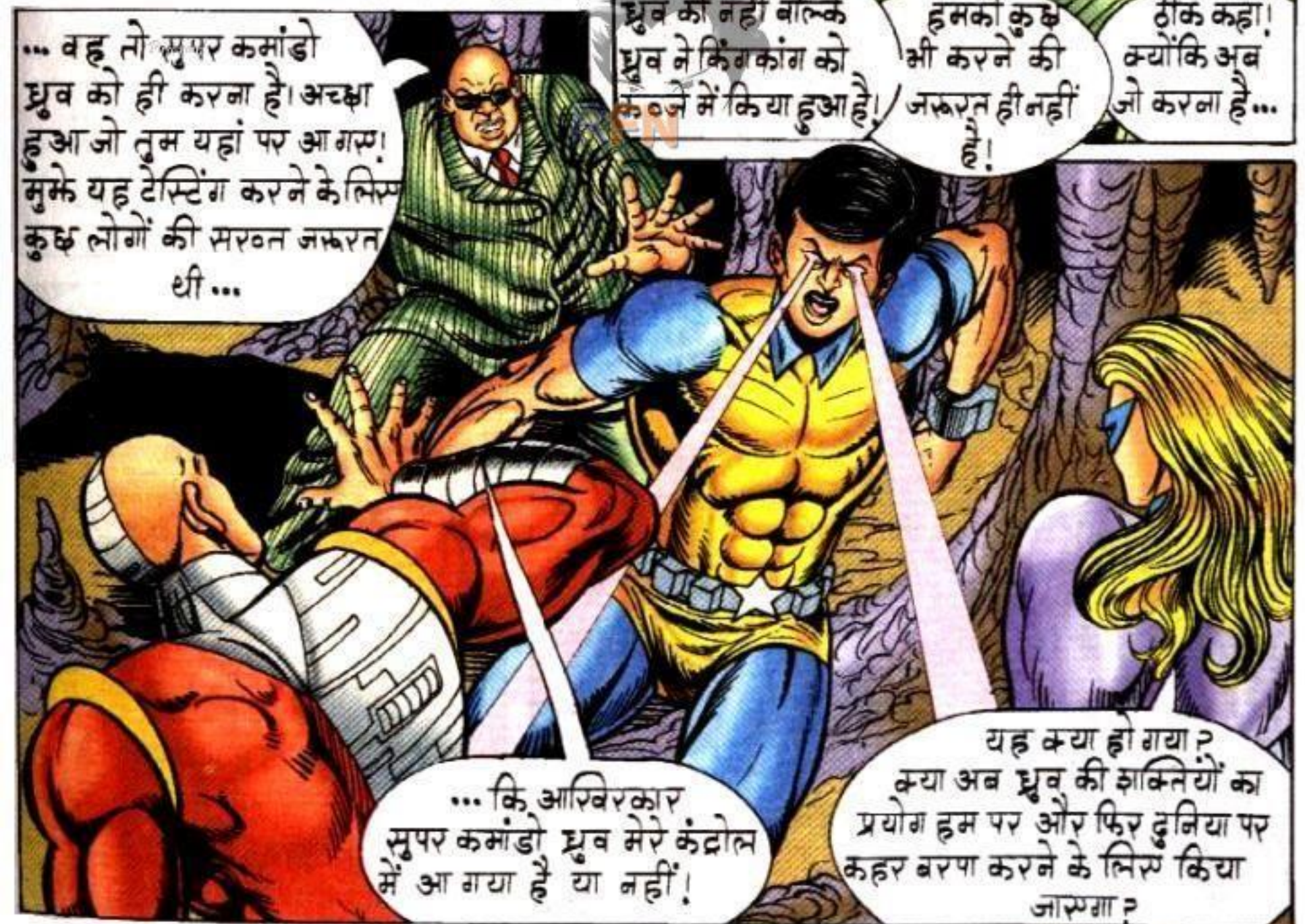


लेकिन मदद ज्यादा दूर नहीं थी-



यही है किंगकांग का
अड्डा! चारों तरफ उसके
पालतू गुरिल्ले फैले
हुए हैं! पर घबराओ
मत! ये मुझको
पहचानते हैं! इसीलिए
ये मुझ पर हमला
नहीं करेंगे!

लेकिन यहां से बाहर जाना
अंदर आने जितना आसान नहीं होगा!



इसको रोकना हमारे बस से बाहर की बात है। अब तो बस उस शक्ति का ही आसरा है जिसने ध्रुव से पहले हुरु मेरे मुकाबले के दौरान मेरा साथ दिया था। मेरे हैलीकॉप्टर को बगैर पंखों के ही उड़ा दिया था।



वह शक्ति मेरी थी मूर्ख! तब मुझको तुम्हें बचाना था। अब तो मैं चाहता हूँ कि तू मरे! ताकि मेरे खिलाफ कोई भी सबूत न रहे!

तब तो मुझे तुमको ही काबू में करना पड़ेगा! ताकि तुम ध्रुव को अपने कंट्रोल से मुक्त कर दो!

ध्रुव को थोड़ी देर के लिए उलझाकर रखना रोबो!



ध्रुव अब तेरा नहीं, मेरा है लड़की...

और वैसे भी यह ध्रुव हाड़मांस का पुतला नहीं एक रोबोट है, रोबोट! ये हमेशा से ही रोबोट रहा होगा!



वर्ना एक इंसान में इतनी बुद्धि और तर्क तो हो ही नहीं सकता कि वह सुपर पावरों से भरे दर्जनों स्वतन्त्रताओं को मात दे सके!

मैंने आतंकवादियों को जेल से छुड़ाने के लिए पहले उस पर्वतारोही को अद्भुत शक्तियाँ देकर जेल में भेजा, जिसको हमने इसी पर्वतमाला पर अधमरी हात्मत में पाया था। उसको ध्रुव ने मात दे दी। फिर मैंने शिंकर को आर्मी डिपो से हथियार लाने के लिए भेजा। वह साइज में छोटा होकर धौलापुर आर्डिनेंस फैक्ट्री से आर डिब्बों में घुसकर अंदर तो पहुँच गया, पर वहाँ उसको ध्रुव से पिटना पड़ा। किस्मत ने उसको बचा लिया था। वरना वह बचकर आ नहीं पाता। उन दोनों को हराने का काम कोई इंसान नहीं कर सकता था। जाहिर है कि ध्रुव एक रोबोट है!

और यह सचार्ड समझते ही मैंने अपने वारों का तरीका बदल दिया। और ध्रुव मेरे कब्जे में आ गया। जब तुम अंदर आए तो मैं ध्रुव से पिट नहीं रहा था बल्कि अपने ऊपर ही यह टेस्टिंग कर रहा था कि ध्रुव मेरे कब्जे में आ गया है या नहीं!

ध्रुव इंसान हो या रोबोट, लेकिन ध्रुव ज्यादा देर तक तुम्हारे कब्जे में नहीं रहेगा। वह आजाद हो जाएगा और फिर वह तुम्हारा विनाश कर देगा!

हम! अच्छा याद दिलाया। ऐसा हो सकता है!

तुम सब ध्रुव के दोस्त हो! तभी तो उसको बचाने के लिए मौत के मुँह में घुस आए। पर धबराओ मत! अब मैं तुमको नहीं मारूँगा! अगर ध्रुव होश में आ भी गया तो तुम तीनों मेरी इंडियोरेंस पॉलिसी बनोगे। तुम्हारी जानें बचाने के लिए वह कुछ भी करेगा!

ले जाओ इन तीनों को और संभालकर बंद कर दो! हमको इनकी जरूरत पड़ सकती है!

वैसे मुझको शक है कि यह रोबोट कभी भी मेरी कैद से मुक्त हो पाएगा!

जाओ ध्रुव! ऐसी तबाही बरसा दो दुनिया पर जैसी आज तक ओसामा भी नहीं बरसा पाया होगा! खत्म कर दो इस मानव सभ्यता को जो अपने आपको इस दुनिया के हर जीव से ऊपर समझती है! जाओ!

और शुरुआत वहीं से करो जहाँ के लोग तुमको अपना रक्षक समझते हैं!

राजनगर से!

हमला शुरू हो गया-

मानव सभ्यता नष्ट होने लगी-

ये उड़ता हुआ शैतान कौन है?

ओ माई गॉड! ये... ये तो ध्रुव है! पर इस बार ये तबाही को रोकने के बजाय खुद तबाही क्यों मचा रहा है?

वह भी घातक विस्फोटक किरणों के जरिए! ध्रुव के पास ऐसी शक्तियाँ कहाँ से आई?

ये... ये ध्रुव नहीं हो सकता! जरूर ये ध्रुव के रूप में कोई शैतान है!

बिनाश भविष्य की दुनिया में भी जारी था-



लेकिन उसे रोकने के प्रयास भी हो रहे थे-



पुरानी कहावत है मिट्टा कि इस ब्रह्माण्ड में कोई भी चीज अविनाशी नहीं है। ऊर्जा भी नहीं! और यह फोटॉन मैंन ऊर्जा का ही बना है!

अरे! यह लड़खड़ाया क्यों? यहाँ पर तो इसको ठोकर लगाने लायक चीज नहीं है!



हम यूहों की तरह फंस गए हैं ध्रुव! 'इधर फोटॉन मैन' है, और उधर 'लेसर वेब'!

हम जिस तरफ भी जाएंगे, राख में बदल जाएंगे!

और फोटॉन मैन को हम कभी रबन्म नहीं कर सकते!

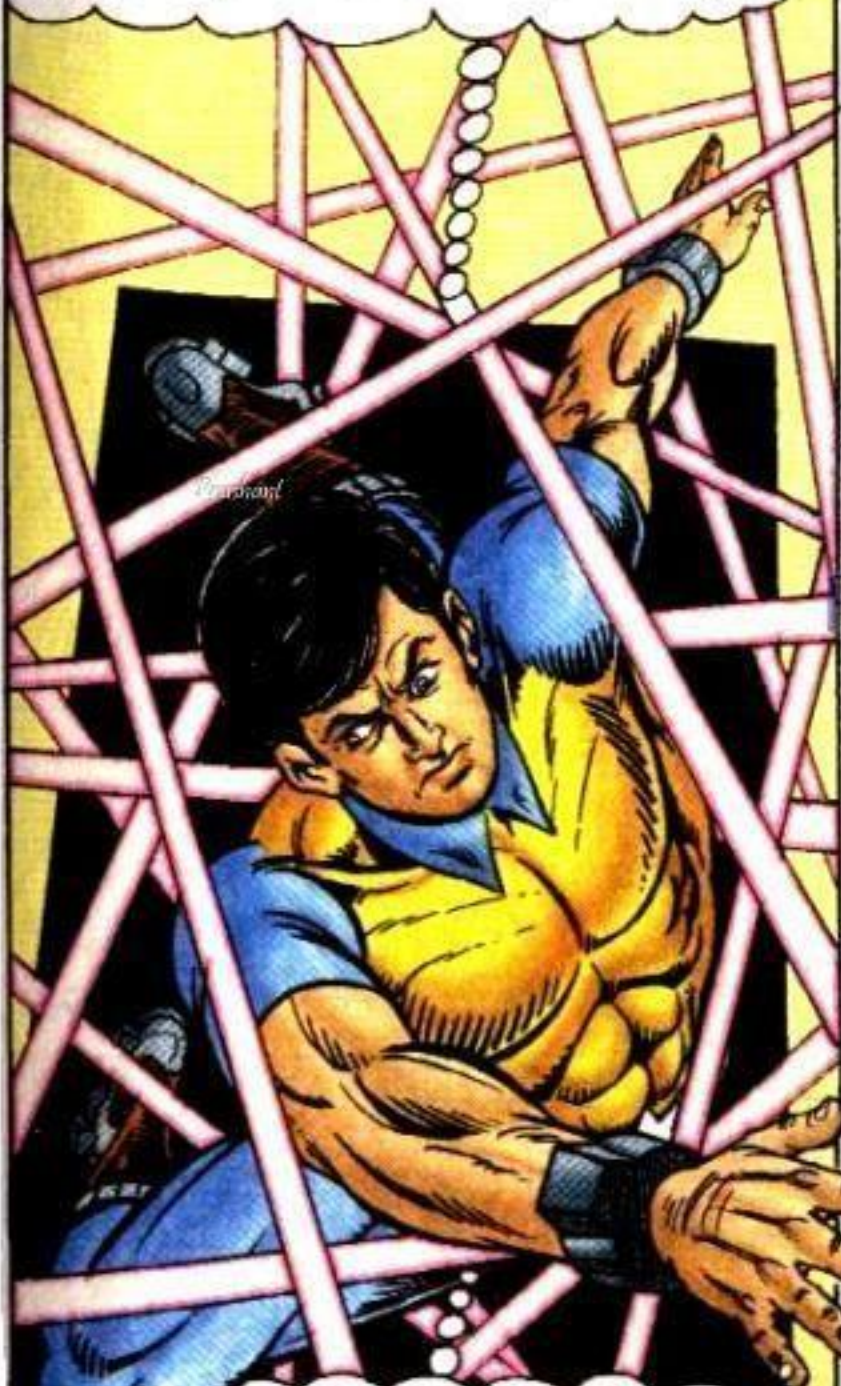
तुम तो भाग्य देने लगे ध्रुव! अरे, अपना दिमाग इससे बचने में लगाओ!

वही कर रहा हूँ मिट्टा! और रूक नवाब तो मुझे मिला भी गया है!



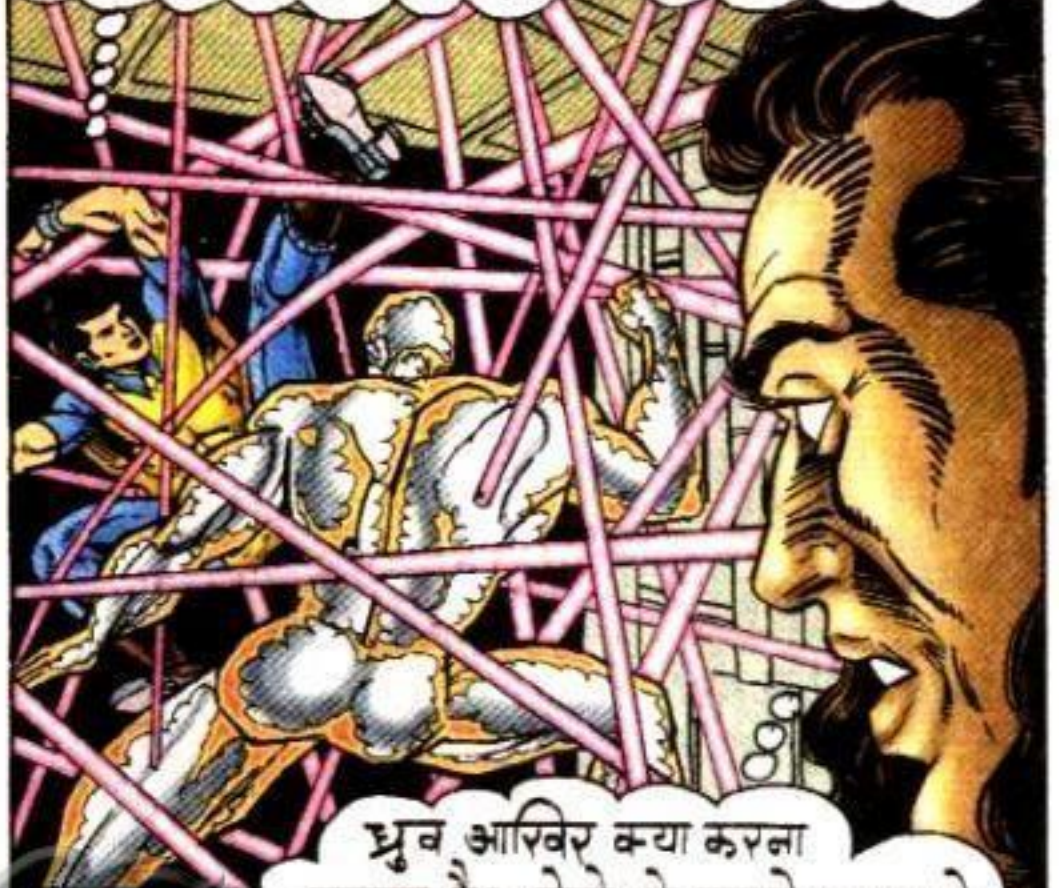
नहीं, इंस्पेक्टर मिट्टा! मैंने कभी भी इंसानी जान न लेने की शपथ ली है! और उसमें मेरी जान भी शामिल है!

मैंने इस 'लेसर जाल' को समझ लिया है! इसकी किरणों के बीच इतनी सैकरी जगहें छूटी हुई हैं जिसमें से एक सामान्य इंसान निकल सके! अब यह मेरी जूपिटर सर्कस में सीरवी गार्ड कलाबाजी पर निर्भर करता है कि मैं अपने अंगों को लेसर बीम्स के स्पर्श से बचा पाऊंगा या नहीं!



लेकिन यह खतरा तो मुझे मोल लेना ही है! क्योंकि अगर 'फोटॉन मैन' को सिर्फ मुझे रोकने के लिए भेजा गया है, तो यह मेरे पीछे-पीछे 'लेसर वेब' के अंदर जरूर आएगा!

ताकि यह मुझको इस 'जाल' में फंसाकर मार सके! मेरा सोचना सही निकला! यह मेरे पीछे-पीछे कलाबाजी की कला की लेसर वेब में घुस आया है! असली मुकाबला अब शुरू होगा! आज मेरी अग्नि-परीक्षा है!



मिट्टा चकित था-

ध्रुव आखिर क्या करना चाहता है? ऐसे तो उसको जल मरने में एक सेकंड भी नहीं लगेगा!

ध्रुव को तो लेसर बीम के जाल से बचबचकर कूदना पड़ रहा है! लेकिन फोटॉन मैन के लिए तो लेसर बीम का कुछ महत्व ही नहीं है! ये बीम भला उसका क्या बिगाड़ पाएंगी? पर... पर नहीं! कुछ हो रहा है!



‘फोटॉन मैन’ का शरीर ज्यादा तेजी से चमक रहा है! और इसका शरीर टूटना भी शुरू हो गया है! पर कैसे?



आहह! चमक बढ़ती जा रही है!
अब तो इसकी तरफ देखना भी मुश्किल लग रहा है!

मिट्टा के देखते-देखते-

एक बेआवाज धमाके के साथ फोटॉन मैन के शरीर के टुकड़े-टुकड़े होकर हवा में घुल गए-

लेकिन इस धमाके का असर दूर तक हुआ-

आहह!

फोटॉन मैन खत्म हो गया। मैं ही यहां से उसको प्रक्षेपित कर रहा था! और उससे जुड़ा हुआ होने के कारण उसके खत्म होने का ‘बैक शॉक’ यहां तक आ पहुंचा है! पर... फोटॉन मैन खत्म हुआ कैसे?





मिट्टा भी इसी
प्रवाल का जवाब
दे रहा था -

कमाल कर दिया
तुमने, ध्रुव! लेकिन
ये कमाल तुमने
किया कैसे?

इसको मारना ज्यादा
कमाल की बात नहीं थी! कमाल तो
मुझे लेसर वेब से बचने में दिखाना था!

इसको काटने का
तरीका तो आसान था!
तुम तो जानते ही होगे कि
अगर विद्युत प्रवाह को
तारों में एक सीमा से अधिक
बढ़ा दिया जाए तो शॉर्ट
सर्किट हो जाता है!

विद्युत प्रवाह और कुछ नहीं, सिर्फ
धातु की तारों में इलेक्ट्रॉनों का प्रवाह
होता है! जब तारों में इलेक्ट्रॉनों की
संख्या एक सीमित मात्रा से बढ़ जाती
है तो धमाका हो जाता है!

इसी ध्योरी को मैंने फोटॉन मैन पर
आजमाया था! वह प्रकाश कण फोटॉन का
बना आदमी था! मैंने उसको लेसर वेब में
पंजीब लिया क्योंकि लेसर भी प्रकाश का ही
एक सघन रूप है! लेसर किरणों ने फोटॉन
मैन के शरीर में फोटॉन कणों की संख्या
को बढ़ाना शुरू कर दिया!

वाकई ध्रुव! मैं तुम्हारे बारे
में जितना जानता जा रहा हूँ
उतना ही चकित होता जा रहा
हूँ! अब चलो, हमको क्रिस्टल
चोरी वाले घटनास्थल की
छानबीन करनी है! मैं
कोड भरता हूँ!

उसकी जरूरत अब नहीं है मिट्टा!
फोटॉन मैन ने मुझको उस चोर
का पता बता दिया है!



और
फोटॉन मैन
फट गया!

क्योंकि उसके शरीर
में इतने फोटॉन कणों को
संभाल सकने की क्षमता
नहीं थी!



सूच में? कौन...
कौन है वह
आदमी?

जहां मैं बताता हूँ वहां
पर मुझको ले चलो!

थोड़ी देर बाद
तुम खुद ही उस
आदमी के सामने
होगे!

कमाल है!

मुझे तो यकीन ही
नहीं हो रहा है कि कैसे
सुलझ गया है!

चोर का पता, अपराध जगत के सरताजों को भी चल गया था-

हमको पता चल गया कि क्रिस्टल का चोर कहां पर है?

ये तुम इतने विश्वास के साथ कैसे कह सकते हो?

हम तो ये मानकर चल रहे हैं कि क्रिस्टल के चोर ने ही फोटॉन मैन को ध्रुव को रोकने के लिए भेजा था!

जब ध्रुव ने फोटॉन मैन को नष्ट किया तो उसने पैदा हुए 'बैक शॉक' को हमने रिकॉर्ड कर लिया था! वह बैक शॉक उस इमारत से होता हुआ वहां से कई किलोमीटर दूर स्थित इस स्थान पर जाकर खत्म हुआ! मेरे खयाल से यहाँ वही इंसान मौजूद है जिसने फोटॉन मैन से संपर्क बनाया हुआ था, और इस वक्त जिसके पास क्रिस्टल मौजूद होना चाहिए

क्रिस्टल तक पहले पहुंचने की होड़ लगी थी-

और इस होड़ में मिट्टा और ध्रुव बाजी मार ले गए थे-

इतनी तकलीफ खुद क्यों करते हो?

क... कौन हो तुम लोग?

क्या चाहते हो मुझसे?

ओह! तो तुम हम लोगों को नहीं जानते! मेरा नाम सुपर कमांडो ध्रुव है!

इस हेलमेट को उतारकर अपनी शक्ति देवने का मौका हमको दे दो!

और ये इंसपेक्टर मिट्टा हैं! तुमको क्रिस्टल की चोरी के इल्जाम में गिरफ्तार करने आए हैं!



पर... पर तुम
जोग यहां पर
पहुंचे कैसे ?

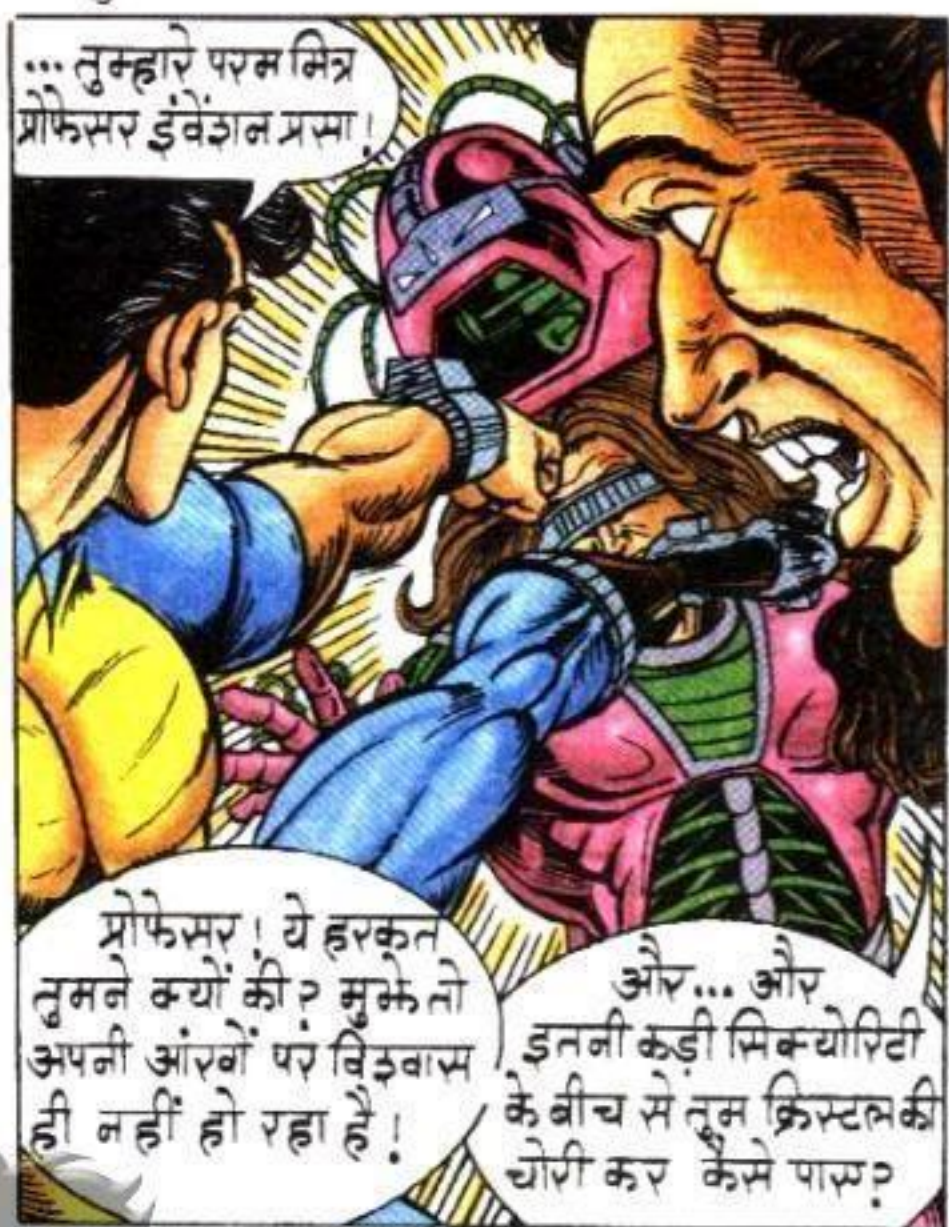
फोटॉन मैन की प्रोजेक्शन किरणों का
पीछा करते हुए। हमारे संवेदनशील
यंत्रों ने उन किरणों के निकलने के स्थान
को ट्रेस कर लिया था। और वे किरणें इस
स्थान से आ रही थीं! तुमने हमारी
जांच को रोकने के लिए फोटॉन मैन को
भेजा था। इससे जाहिर होता है कि
तुम सिबिकॉन क्रिस्टल का पता
जानते हो! अब मुझे बताओ
कि तुम कौन हो ?

ये तुम्हारे पुराने
परिचित हैं डॉक्टर
मिट्टा ...

तुम यह भूल रहे हो मिट्टा कि
वह सिबिकॉरिटी सिस्टम मेरा ही
डिजाइन किया हुआ था। अपने ही
सिबिकॉरिटी सिस्टम को भ्रंश देना
मेरे लिए बुरा हाथ का काम था।

और रहा क्रिस्टल को चुराने का
कारण तो मुझे पता नहीं था कि इससे
इतनी तबाही फैल जाएगी। मुझे उम्मीद
थी कि जल्दी ही ध्रुव अपनी हार मान
लेगा और कोई ज्यादा नुकसान होने
से पहले क्रिस्टल को वापस उसके
स्थान पर पहुंचा दूंगा।

पर ऐसा हुआ नहीं!
ध्रुव मेरे द्वारा भेजी गई छाया फोटॉन
मैन से बच गया। पर तुमने यह कैसे
जाना कि फोटॉन मैन को भेजने वाला
मैं ही था।



... तुम्हारे परम मित्र
प्रोफेसर इन्वेन्शन प्रसा!

प्रोफेसर! ये हरकत
तुमने क्यों की? मुझे तो
अपनी आंखों पर विश्वास
ही नहीं हो रहा है!

और... और
इतनी कड़ी सिबिकॉरिटी
के बीच से तुम क्रिस्टल की
चोरी कर कैसे पाए?



तुम फोटॉन मैन को
अपने इस सूट के जरिए
चला रहे थे। जैसी
हरकत तुम यहां पर कर
रहे थे, उसी की नकल
फोटॉन मैन वहां पर
कर रहा था।

इसीलिए फोटॉन
मैन के चलने का
अंदाज तुम्हारी चाल से
मिल रहा था। और हर
इंसान की एक खास
चाल होती है। उसी चाल
ने मुझे तुम्हारा पता
बता दिया, प्रोफेसर!

अब अपने आपको कानून के हवाले
करने से पहले क्रिस्टल को जगह पर
पहुंचाओ और मुझे वापस २००३ में भेजने का
प्रबंध करो।

मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि मैं तुमको सित्रिकॉन क्रिस्टल की चोरी और पूरी पृथ्वी पर अराजकता फैलाने के आरोप में गिरफ्तार करता हूँ!

मैं मानता हूँ, मिट्टा कि मैंने जो कुछ भी किया गलत किया! मुझ पर ध्रुव को नीचा दिखाने का जुनून सब हो गया था! लेकिन मैं कानून की गिरफ्तारी में आकर अपनी जिन्दगी को बरबाद करना नहीं चाहता

मैं मानता हूँ कि ध्रुव के दिमाग ने मुझे मात दे दी है! लेकिन इस स्थिति में कानून को मात देने वाला रास्ता मैंने पहले ही तलाश कर रखा है!

कानून के रखवाले मिट्टा से तुम इस दुनिया के किसी भी कोने में छुप नहीं सकते! बचने का कोई रास्ता नहीं है!

मुझ तक पहुंचने की कोशिश मत करो! वरना मेरे साथ तुम भी इस दुनिया में खिंच आओगे!

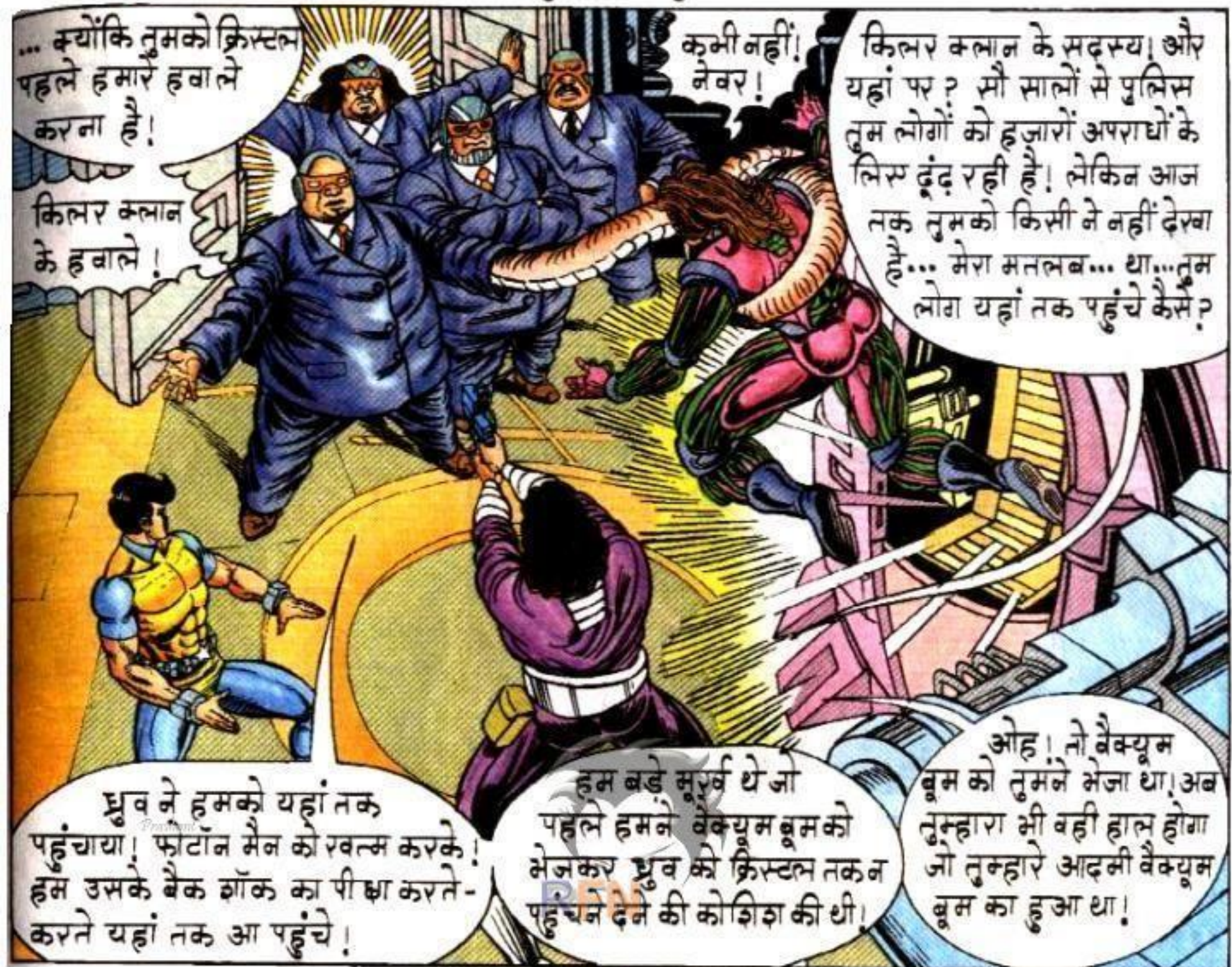
और हाँ, सित्रिकॉन क्रिस्टल इसी बैब में स्वर्ण गुप्त स्थान पर छुपा हुआ है! ढूँढ़ सको तो ढूँढ़ लेना!

मैं इस दुनिया की बात कर ही नहीं रहा हूँ मिट्टा!

मैंने अपनी टाइम मशीन में भविष्य की एक दुनिया का द्वार खोल रखा है!

ये उस बकत की दुनिया है जब मानवों ने युद्ध भड़कड़कर अपने अस्तित्व को ही खत्म कर दिया है! मैं उस समय की दुनिया में जाकर मानवों की एक नई प्रजाति रचूंगा! और विज्ञान को एक नई दिशा दूंगा!

तु यहाँ से कहीं नहीं जासगा, प्रसा!



मेरा हथियार
फट रहा है!
आ sss ह!

तू तो हमारे लिए एक बच्चा है इंस्पेक्टर, सिर्फ एक बच्चा! खतरा तो हमको ध्रुव से है! ये यहां पर कैसे आया यह हम नहीं जानते! पहले हमने इसको नकली समझा था! पर 'वैक्यूम बूम' और 'फोटोन मैन' को खत्म करके इसने हमारा धम तोड़ दिया! हमारे हजारों साल पुराने इतिहास में हमारा साम्राज्य सिर्फ एक बार तबाह हुआ है!



आज से लगभग दो सौ साल पहले... सुपर कमांडो ध्रुव के हाथों! लेकिन हम इतिहास को दोहराने नहीं देंगे! इसको इसी युग में यहीं पर मार-मारकर खत्म कर देंगे! लेकिन यह काम हम क्रिस्टल मिलने के बाद करेंगे!



बांध दो इन तीनों को! और पूरी लैंड में फैलकर क्रिस्टल की तलाश करो!

किलर क्लान के सदस्य के एक ही इशारे पर लैंड में फैली धातु रूप बदलकर खंभों का रूप लेने लगी-

उसमें ऊर्जा का प्रवाह होने लगा-

और तीनों के हाथ, बंधनों में कसकर खंभों से बंध गए-



आ sss ह! अद्भुत है इनकी शक्ति! कौन है ये किलर क्लान के लोग? और क्या चाहते हैं ये!

ये भी तुम्हें बता दिया जाएगा, सुपर कमांडो ध्रुव!

जब हम क्रिस्टल तलाश करके तेरी जान निकालेंगे, तब!

सन् 2003 में रोबोट ध्रुव का विनाशकारी था! लेकिन उसको रोकने के प्रयास भी तेज कर दिए गए थे-

रुक जाओ, सुपर कमांडो ध्रुव! वरना हमको मजबूर होकर तुम पर वार करना पड़ेगा!



ये रुक नहीं रहा है, पार्टनर! ये...ये तो सीधा हमारी तरफ आ रहा है!



और कुछ ही देर में- रोबोट ध्रुव को रोकने की रक और कोड़िश नाकामयाब हो गई थी-

और उसको रोक सकने के तरीके भी तेजी से खत्म होते जा रहे थे-

अब शायद सिर्फ एक आखिरी तरीका बचा था-



और वह भी खत्म होने जा रहा था-

क्योंकि उस तरीके का नाम था-

सुपर कमांडो ध्रुव-

और वह तरीका भी भविष्य की दुनिया में दम तोड़ने के करीब था-



हमको कुछ तो करना होगा, मिट्टा! हम ऐसे इंसानों को मरते हुए नहीं छोड़ सकते!

अब कुछ नहीं हो सकता ध्रुव! अगर हम इन बंधनों से आजद हो भी गए तो भी कितने क्लान की शक्तियों का सामना नहीं कर पाएंगे!

लेकिन अगर क्रिस्टल इनके हाथ लग गया तो कोई भी नहीं बचेगा! अपनी गलती पर पश्चाताप करने का यही वक़्त है प्रोफेसर प्रसा! बताओ कि तुमने क्रिस्टल कहाँ पर छुपाया है! शायद मैं अभी भी उसको तुम्हारे लिए बचा सकूँ!



क्रिस्टल उसी टाइम मशीन के नीचे छुपा है जिससे मैं भविष्य में भाग रहा था!



लेकिन अगर तुम क्रिस्टल तक किसी तरह पहुँच भी गए तो भी कितने क्लान की शक्तियों से बचकर उसको लेकर भाग नहीं सकते!

फिर तो काम बन गया! अरे सुनो! किलर क्लान वाले भाड़्यों! आsssह! हमको छोड़ दो तो मैं तुमको क्रिस्टल का पता बता सकता हूँ! मैं भविष्य की दुनिया में मरना नहीं चाहता!

हमारे सामने बड़े-बड़े डोर तक गिड़गिड़ाने लगते हैं! और आज तुने भी यही किया है, ध्रुव! ऊर्जा के इन मामूली भटकों से ही डर गया! खैर, बता! कहां है क्रिस्टल?

इस भविष्य की दुनिया की मैं भला क्यों परवाह करूंगा? क्रिस्टल, टाइम मशीन के नीचे छिपा है!

आहाsss मैं समझ गया तेरी चाल! मैंने प्रोफेसर की वह बात सुन ली थी कि ये मशीन पास जाने वाली हर चीज को रबींच लेती है! तू यही चाहता है न कि ये मशीन हमको रबींचकर भविष्य की उजाड़ पृथ्वी पर पहुंचा दे!

ये... ये क्या कह रहे हो ध्रुव? आsssह! क्या तुमको इस दुनिया की जरा भी परवाह नहीं है! आsssह!

यही बात है न? पर मैं मशीन के नीचे चेक जरूर करूंगा! पर पहले मशीन की पावर बंद करूंगा!

ये बहुत चालाक है ध्रुव! तुम्हारी चाल पहले ही समझ गया! और अब क्रिस्टल इसके हाथ लगकर ही रहेगा!

दुनिया तबाह होकर ही रहेगी!

हा हा हा! आओ दोस्तो! देरवो, आखिरकार सफलता मेरे हाथ लग ही गई! अब मानव तबाह होकर ही रहेंगे!

हे भगवान! ये मैंने क्या कर दिया?

कमाल हो गया! अब मानवों की किस्मत का फैसला हमारे हाथों में है!

एक मिनट! क्रिस्टल हमारे पास है इस बात को सिर्फ ये तीन ही जानते हैं! मेरे खयाल से तो इनको विखंडित करके अणुओं में बांट देना चाहिए ताकि इनका कोई नामोनिशान ही न बचे!

ओफ! कांडा टाइम मशीन में 'पॉवर' होती तो वह इन शैतानों को खींचकर दूसरी ही दुनिया में भेज देती, लेकिन अब तो हम खुद ही दूसरी दुनिया में जा रहे हैं!

एक्स्प्लेंट आइडिया! मानवों के विनाश के अभियान की शुरुआत इन तीनों से ही करते हैं!

पॉवर! टाइम मशीन को ऊर्जा चाहिए न! उसको ऊर्जा अभी भी मिल सकती है!...

... हमारे शरीरों को जो ऊर्जा भटके दे रही है वह भी किलर क्लान की शक्तियों द्वारा ही पैदा की गई है! वे इसको रोक नहीं पाएंगे!

और ये ऊर्जा टाइम मशीन तक पहुंचेगी मेरी स्टार लाइन के जरिए!

ध्रुव का कुशल क्लानाज शरीर मुड़ा-

और स्टार लाइन का दूसरा सिरा टाइम मशीन में जा धंसा-

मशीन चालू हो गई है ध्रुव! और- और किलर क्लान के सदस्य उसके अंदर खिंच रहे हैं! लेकिन मशीन अभी पूरी तरह से काम नहीं कर पा रही है! उसको और पावर चाहिए! लेकिन उसको और पॉवर भला कहां से मिल सकती है!

मिल सकती है प्रोफेसर! मिल सकती है!

वह पॉवर मशीन को आप और इंसपेक्टर मिट्टा देंगे...

... मेरे शरीर
के जरिए!

ध्रुव ने खतरनाक कदम उठाया था। अब तीनों के शरीरों में
बहती ऊर्जा का बहाव ध्रुव के शरीर से होता हुआ टाइम
मशीन तक पहुँच रहा था-



अब देखना यह था कि पहले ऊर्जा ध्रुव के शरीर को खाक में बदलेगी या फिर
टाइम मशीन का खिंचाव कितने कत्तान को निगल डालेगा-

और इस रस्साकशी में जीत
आखिरकार टाइम मशीन की ही हुई-

ओ माई गॉड! कितने कत्तान
के साथ-साथ क्रिस्टल भी
मशीन में खिंचता जा रहा
है!



ऐसा नहीं हो सकता!
नहीं हो सकता!

कितने कत्तान की शक्तियों के
साथ-साथ उनके द्वारा बनाए गए
ये बंधन भी कमजोर हो रहे हैं!
मैं इनको तोड़ सकता हूँ!
आ SSS हूँ!



बंधन टूटे-

और ध्रुव के शरीर ने लपककर क्रिस्टल को हवा में
ही धाम लिया-



ओफ़! अब
ध्रुव भी अंदर खिंच
जाएगा!

पर ऐसा हुआ नहीं! ध्रुव के पैरों ने स्टार लाइन का संपर्क मशीन से तोड़ दिया-



जल्दी ही- अब क्रिस्टल सही जगह पर है! और यह तुम्हारी वजह से ही संभव हो पाया है ध्रुव!



और फिर-



अब सब कुछ सामान्य है ध्रुव! बस, हमको यह पता नहीं चल सका कि कितने क्लान वाले ऐसा क्यों कर रहे थे?

और ऊर्जा मिलनी बंद होते ही टाइम मशीन भी खामोश हो गई-

हमारे शरीरों में बहने वाली ऊर्जा भी खत्म हो गई है!



ओफ़! अब क्रिस्टल भी सुरक्षित है और हम भी! मैं अपने किरण पर बेहूद डार्मिन्दा हूँ ध्रुव! मैं स्वीकार करता हूँ कि तुमने मुझे हर तरह से मात दे दी है!

अब मैं कानून से सजा पाकर अपनी गलतियों का पड़ोताप करूँगा!

वह सब बाद में करना प्रोफेसर! पहले इस क्रिस्टल को इसकी सही जगह पर पहुँचाओ!

इन्होंने जिक्र किया था कि एक बार दो सौ साल पहले भी मैं इनका विनाश कर चुका हूँ! पर मुझको तो याद नहीं पड़ता कि मैंने पहले कभी ऐसा किया है!

वह तुम अपनी आगेकी जिन्दगी में करोगे! या फिर इस वक्त वह काम तुम्हारा प्रतिरूप रोबोट कर रहा होगा! आखिरकार वह भविष्य का उत्पाद है! तुम्हारे समय की कोई भी शक्ति उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती!

मैं अभी देरबता हूँ!



प्रोफेसर प्रसा ने अपने यंत्रों का संपर्क गुजरे हुए जमाने से जोड़ा-

और सभी चौंक उठे-

ओ गॉड! ये... ये तो 2003 के युग को तबाह कर रहा है! पर क्यों? मैंने इसके अंदर ऐसा कमांड तो भरा ही नहीं था!

ये काम किसी और ने किया है! पर कैसे?

यही मशीन की सबसे बड़ी खराबी है प्रोफेसर! वह आदमी के इशारे पर काम करती है! अच्छा आदमी उससे अच्छा काम करवाएगा तो बुरा आदमी, बुरा काम! जरूर किसी ने इसके सर्किटों को छेड़कर इसको अपना गुलाम बना लिया है!

और मेरा दिल कह रहा है कि यह काम कितर कलान के पूर्वजों का ही है! मुझे इसको रोकने का तरीका बताइए! ताकि मैं अपने समय में वापस जाकर इस रोबोट को नष्ट कर सकूँ!

न तो इस रोबोट को मारने का कोई तरीका है और न ही इसके सर्किटों से छेड़-छाड़ कर सकने का कोई रास्ता!

क्या इसको इस युग में वापस नहीं बुलाया जा सकता!

यह हो सकता तो यह काम तुरंत कर देता! सर्किटों में बदलाव होने से इससे हमारा संपर्क टूट गया है! मैं इसको वापस नहीं बुला पा रहा हूँ!

हां, अगर तुम किसी तरह से इसके 'ब्रेन सर्किटों' तक पहुंच सको तो 'X2XPO' का कमांड देते ही इसका 'इलेक्ट्रॉनिक ब्रेन' काम करना बंद कर देगा!

लेकिन इसके 'ब्रेन' तक तुम कैसे पहुंचोगे ये सोचना तुम्हारा काम है!

तो फिर इसे रोकने का काम मुझे ही करना होगा!

आप मुझको 2003 में भेजने का इंतजाम करें!

अब मुकाबला विनाशकारी तकनीक और दिमाग की शक्त के बीच में था-



और मानसिक शक्ति वाले अस्सी ध्रुव को मदद की जरूरत थी-

हमको यहां से निकलना होगा, नताशा! वरना यह गर्मी और ऑक्सीजन की कमी जल्दी ही हमारी जान ले लेगी!

जानती हूँ! पर हम भावे के बीचोबीच में खड़े हैं! यहां से किनारे पहुंचे भी तो कैसे? पता नहीं ये किंगकांग ज्वालामुखी के पास क्यों रहता है!

आप कुछ बोलने क्यों नहीं, पापा?



किंगकांग ने मेरी लेजर आई का कनेक्शन तोड़कर मुझे असहाय कर दिया है!

जब मैं कुछ कर ही नहीं सकता तो बोलकर क्या करूंगा?

एक मिनट रोवो! अपनी लेजर आई को मुझे चेक करने दो!

ओsss इसके तार टूट गए हैं! अगर इन तारों को किसी तरह से जोड़ा जा सके तो तुम्हारी 'लेजर आई' फिर से काम करने लगेगी!



इसके लिए इन तारों की 'सोल्डरिंग' करनी होगी! और हमारे पास सोल्डरिंग रॉड नहीं है!

सोल्डरिंग रॉड! वही जो गर्मी से तारों को पिघलाकर आपस में जोड़ देती है!

वो मारा! ये काम तो हो सकता है!



कैसे, चंडिका?

मेरी बेल्ट में एक लंबा तार छिपा है! उसको मैं इस भावे में लटका दूंगी!



लावा तार को पिघलाएगा...

कुछ ही पलों बाद तार का विद्युत् ला हुआ सिरा चंडिका के हाथ में था-



और उससे चंडिका रोबो की लेसर आई के टूटे तारों की 'सोल्डरिंग' कर रही थी-



वाह! अब मेरी 'लेसर आई' फिर से काम कर रही है! पर इससे काम लूं भी तो क्या लूं?



लेसर आई से इस चट्टानी खंभे को पहले ऊपर से काट दो, रोबो...

...और फिर इसकी जड़ को पेड़ के तने की तरह इस तरह से काटो कि ये गिरकर किनारे से कट जाए!

गुड आइडिया चंडिका!



रोबो की लेसर आई ने चट्टान को काटकर उसको किनारे से टिका दिया-



ओsss ययस! थैंक गॉड! मुझे लग रहा था कि गिरने से ये चट्टान कहीं टूट न जाए!

पर रेसा हुआ नहीं!

अब हम इस चट्टान के रास्ते लावे के दरिया को पार कर सकते हैं!



समझ में नहीं आता कि किंगकांग और उसके गुरिल्ले ज्वालामुखी के पास क्यों रहते हैं?

इसका पता भी लगाना होगा नताशा!



ओ माई गॉड! ये... ये क्या है?



क्योंकि ये अंडे मेरे हैं! और ज्वालामुखी की गर्मी इनको (से) रही है! इनको गर्मी पहुंचाकर इनमें जीवन का निर्माण कर रही है! और हमारे एक अंडे को सेने में ये ज्वालामुखी की गर्मी भी पूरे पचास साल लेती है!

ये... ये क्या बकवास कर रहे हो किंगकांग? पागल हो गए हो क्या? इंसान अंडे नहीं देते! और पुरुष तो कतई नहीं देते! या... या शायद तुम इंसान हो ही नहीं! कौन हो तुम?



वहां से दूर- राजनगर में
रोबोट ध्रुव का बिनाइ
बेरोकटोक जारी था-

और अब मौसम ने भी उसका साथ देना शुरू कर दिया था-

हा हा हा! ये मौसम
मुझको सूट कर रहा
है! मेरे मूड को अच्छा
कर रहा है! मेरे शरीर
को ठंडा कर रही ये पानी
की बूंदें और मेरे दिमाग
को गर्म करती हुई ये
कड़कड़ाती बिजलियां!

तबाही फैलाने
में मजा आ जाएगा!

लेकिन मुझे बिल्कुल
भी मजा नहीं आ रहा
है!

और मेरा मूड भी
बहुत खराब हो रहा
है!

कौन... कौन है तू? मेरे
जैसे कपड़े क्यों पहन रहे हैं!
और मेरे जैसी शक्ति क्यों
बना रही है!

मेरी शक्ति तो जन्म
से ही ऐसी है! शक्ति तो
तूने मेरे जैसी बना रखी है!
मैं सुपर कमांडो ध्रुव हूँ!

सुपर कमांडो ध्रुव तो
मैं हूँ! और इस दुनिया में
ही सुपर कमांडो ध्रुव रह सकता है!

इसीलिए
तुझे मरना
होगा!

तुम्हें मरना होगा!

आऽऽऽह!

मैं अपने युग में वापस तो आ गया, लेकिन मेरे पास कोई योजना बनाने का वक़्त नहीं है! और योजना बनाऊँ भी तो किस आधार पर? इस रोबोट की किसी कमजोरी का मुझे पता भी तो हो!

अरे हाँ!
इसके दिमाग को भटका दिया जा सकता है!

इसका एक तरीका है मेरे पास!

ओफ़! नीचे गिरने से बाल-बाल बचा! लेकिन ज्यादा देर तक नहीं बच पाऊँगा! जल्दी ही ये स्टार लाइन को काट देगा, और मैं इसको रोक नहीं पाऊँगा! काश, मैं इसके इलेक्ट्रॉनिक दिमाग को हिला सकता तो शायद कुछ हो पाता!

स्टार लाइन का एक सिरा रोबोट ध्रुव के पैर से जा लिपटा-

और रोबोट के कुछ समझ पाने से पहले ही स्टार लाइन का दूसरा सिरा 'सिग्नल फ्लेयर' में लिपटकर घने बादलों की तरफ लपक चुका था-

स्टारलाइन के नुकीले सिरे
ने नीचे गिरती बिजलियों को
अपनी तरफ आकृष्ट कर लिया-

और हजारों वोल्ट
के करंट ने रोबोट
ध्रुव के शरीर को
हिला डाला-

और वहां से दूर हिमालय की ऊंचाइयों में-

ओ माई गॉड!
तो... तो ये है तुम्हारा
असली रूप!



हां, ये है मेरा असली रूप! तुम्हारी नजरों
में एक गुरिल्ले का रूप! मेरे आसपास जो
'गुरिल्ले' तुमको नजर आते रहते हैं वे मेरी ही
जाति के हैं! अति बुद्धिमान प्राणी! लेकिन तुम
मानवों की नजर में मूर्ख जानवर से ज्यादा कुछ
भी नहीं! हमारे इसी रूप ने सैकड़ों सालों से
हमारी जाति को मानवों पर हमले करते रहने
के बावजूद, हमको तुम लोगों की नजरों
से बचाए रखा!

वाह! रोबोट का दिमाग
अंधेरे में डूब रहा है! मेरे
पास इसका सिर खोलकर
सर्किट नष्ट कर पाने का मौका है!

लेकिन मानवों ने तुम्हारा
क्या बिगाड़ा है? क्या दुश्मनी
है तुम्हारी मानवों से? क्यों
बिनाश चाहते हो तुम मानव
जाति का?

क्योंकि मानव जाति के
कारण ही हमारी प्रजाति का
विकास रुका है! हम मानवों
से पहले इस धरती पर आए!
उससे ज्यादा बुद्धिमान प्राणी के रूप
में विकसित हुए!



लेकिन मानव, कीड़ों की तरह संख्या में बढ़ते चले गए। सारी पृथ्वी पर छाने लगे। जबकि प्रकृति के मजाक के कारण हमारे बढ़ने की रफ्तार धीमी रही। क्योंकि हमारे अंडों को पुरा तैयार होने में लगभग पचास साल का वक्त लगता है। और उनको सेने के लिए ज्वालामुखी की गर्मी की जरूरत पड़ती है। हमको पृथ्वी पर छाने के लिए जगह चाहिए थी और जगह बनाने का एक ही तरीका था। मानवों को नष्ट करना। पर मानवों के दुश्मन हम नहीं बन सकते थे, क्योंकि हमारी संख्या बहुत कम थी।



इसीलिए हमने मानवों को ही मानवों का दुश्मन बना दिया। उसके लिए हमारे पास ज्ञान भी था और शक्ति भी। हमने मानवों को शक्तियां देकर उनसे ही मानव का विनाश कराया। कभी किसी तानाशाह को कुबूद्धि दी, कभी आतंकवादियों को हथियार और साथ साथ मानवों को भ्रष्टाचार, अपराध जैसे गलत काम करने के लिए भी उकसाया।

और अब हम अपने लक्ष्य के एकदम करीब हैं। हालांकि पृथ्वी पर मानवों की संख्या 6 अरब के पास पहुंच चुकी है लेकिन अब माहौल ऐसा बन चुका है कि कभी भी मानवों के बीच में ऐसा युद्ध छिड़ेगा जो उनकी जनसंख्या का पूर्ण विनाश कर देगा...

... और तब पृथ्वी पर हमारी प्रजाति का राज्य होगा। बुद्धिमान गुरिल्ले का।



और उसी पल-
वहां से दूर
राजनगर में-



ओह! ये क्या हो रहा है? हवा में एक चक्रवात पैदा हो रहा है! और रोबोट ध्रुव उसमें खिंच रहा है!

तभी- अरे! यह क्या? मेरे ट्रेंप कार्ड, मेरे सबसे विनाशकारी हथियार का मुझसे संपर्क टूट रहा है! कुछ गड़बड़ है! मुझे उसको वापस बुलाना पड़ेगा!



मुझे भी इसके पीछे जाना होगा! पता करना होगा कि इस मुसीबत को कौन कंट्रोल कर रहा है!

ध्रुव को यह जानने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा-

आऽऽह! ओह!



दो... दो ध्रुव! यानी एक नकली ध्रुव है और एक असली! एक बिनाडा फैलाने वाला और एक उसको रोकने वाला!

पर इनमें से असली कौन सा है?



...लेकिन नकली ध्रुव का पता मुझे चल गया है!

बचो, चंडिका! नताशा!

असली का तो कह नहीं सकती...



अब बचने का कोई रास्ता नहीं है! तुम सब खुद मेरे जाल में आकर फंसे चुके हो! हमारी और ध्रुव की सम्मिलित शक्ति के सामने तुम चारों का बच पाना असंभव है!

ये सही कह रहा है रोबो! मैं इसके जैसे दूसरों से भी मिल चुका हूँ! बस मुझको उस वक़्त ये नहीं पता था कि ये वास्तव में बुद्धिमान गुरिल्ले हैं!

ये ध्रुव रोबोट है! भविष्य से आया हुआ एक अति आधुनिक रोबोट है! इसकी शक्तियों से हम नहीं जीत सकते! फिलहाल ये इस गुरिल्ले के कब्जे में है!

हमको रोबोट के इलेक्ट्रॉनिक ब्रेन तक पहुंचकर उसमें अपना कमांड भरना पड़ेगा! तभी ये मानसिक कैद से आजाद हो पाएगा!

पर इसके ब्रेन तक पहुंचा कैसे जा सकता है! हम तो इसके पास भी नहीं फटक सकते!

लेसर किरण! ययय! एक तरीका है रोबो! इस रोबोट का ब्रेन हमारे दिमाग का ही इलेक्ट्रॉनिक रूप है! और हमारे मस्तिष्क का सिर्फ एक ही हिस्सा बाहर से देखा जा सकता है! हमारी 'ऑप्टिक नर्व'! वह नस जो दृश्य के संकेतों को दिमाग तक ले जाती है!

ये तो ठीक है! पर इस जानकारी से फायदा क्या है?

तुम लेसर किरणों के द्वारा इसकी आंखों से जुड़ सकते हो रोबो! और हम कमांड की प्रकाश कणों में बदलकर इसके दिमाग तक पहुंचा सकते हैं!

कंप्यूटर मेरे पास है! एक 'बकल कंप्यूटर' मेरी बेल्ट में लगा है!

तो फिर देर कैसी? मैं और ध्रुव किंगकांग और इसके गुरिल्लों को संभालते हैं! तुम दोनों ध्रुव के रोबोट को संभालो!

यानी ऑप्टिकल मैसेज! ऐसा सिस्टम मेरी 'लेसर आई' में लगा तो हुआ है, पर आज तक मैंने उसका प्रयोग नहीं किया है!

मुझे पता है रोबो! पर समस्या एक कंप्यूटर की है! किसी कंप्यूटर को तुम्हारी लेसर आई से जोड़े बगैर कमांड के सिग्नल नहीं भेजे जा सकते!

पर पहले कमांड तो सुन लो! कमांड है...

XZXPO!

योजनाबद्ध तरीके से दो मोर्चों पर एक साथ हमला शुरू हो गया-



जल्दी करो चंडिका! मैं ज्यादा देर तक इसकी लेजर बीम को रोककर नहीं रख सकता! जल्दी ही इसकी 'डबल-लेजर' मेरी लेजर किरण को पीछे धकेलकर मेरी खोपड़ी को छेद देगी!

वस! काम हो चुका है रोबो! ये रहा आखिरी कमांड!

रोबोट ध्रुव की पूरी मेमोरी वापस लौट आई-

ये मैं कहाँ...? अरे!

कमांड पूरा होते ही-

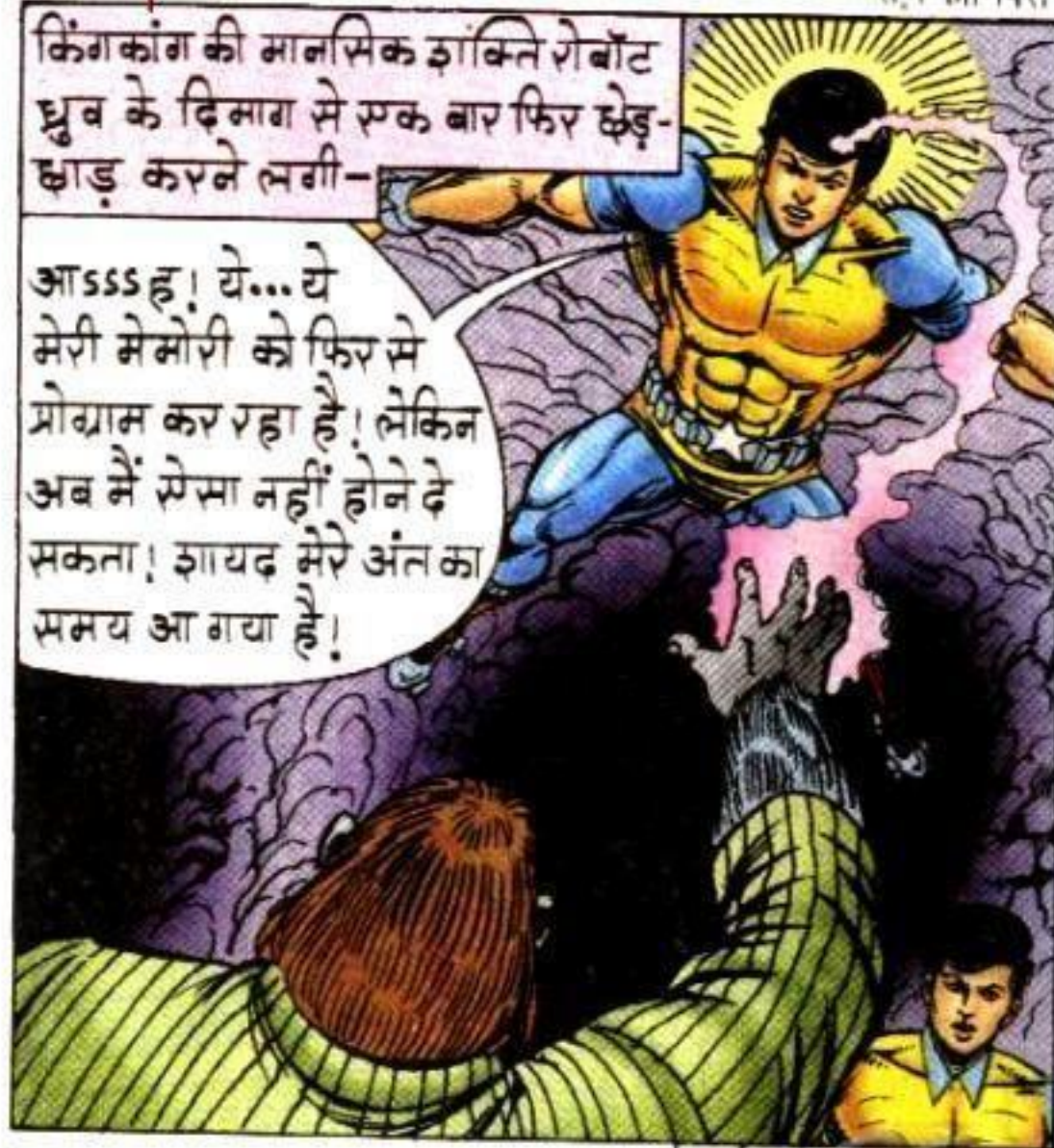
तुम तो ध्रुव हो! जिसका मैं प्रतिरूप हूँ! और मेरे रूप को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता!

तु सचमुच आजाद हो गया है! यानी मुझे अब तुम्हको फिर से काबू में करना पड़ेगा!



किंगकांग की मानसिक डांकिने रोबोट ध्रुव के दिमाग से एक बार फिर छेड़-छाड़ करने लगी—

आsssह! ये... ये मेरी मेमोरी को फिर से प्रोग्राम कर रहा है! लेकिन अब मैं ऐसा नहीं होने दे सकता! शायद मेरे अंत का समय आ गया है!



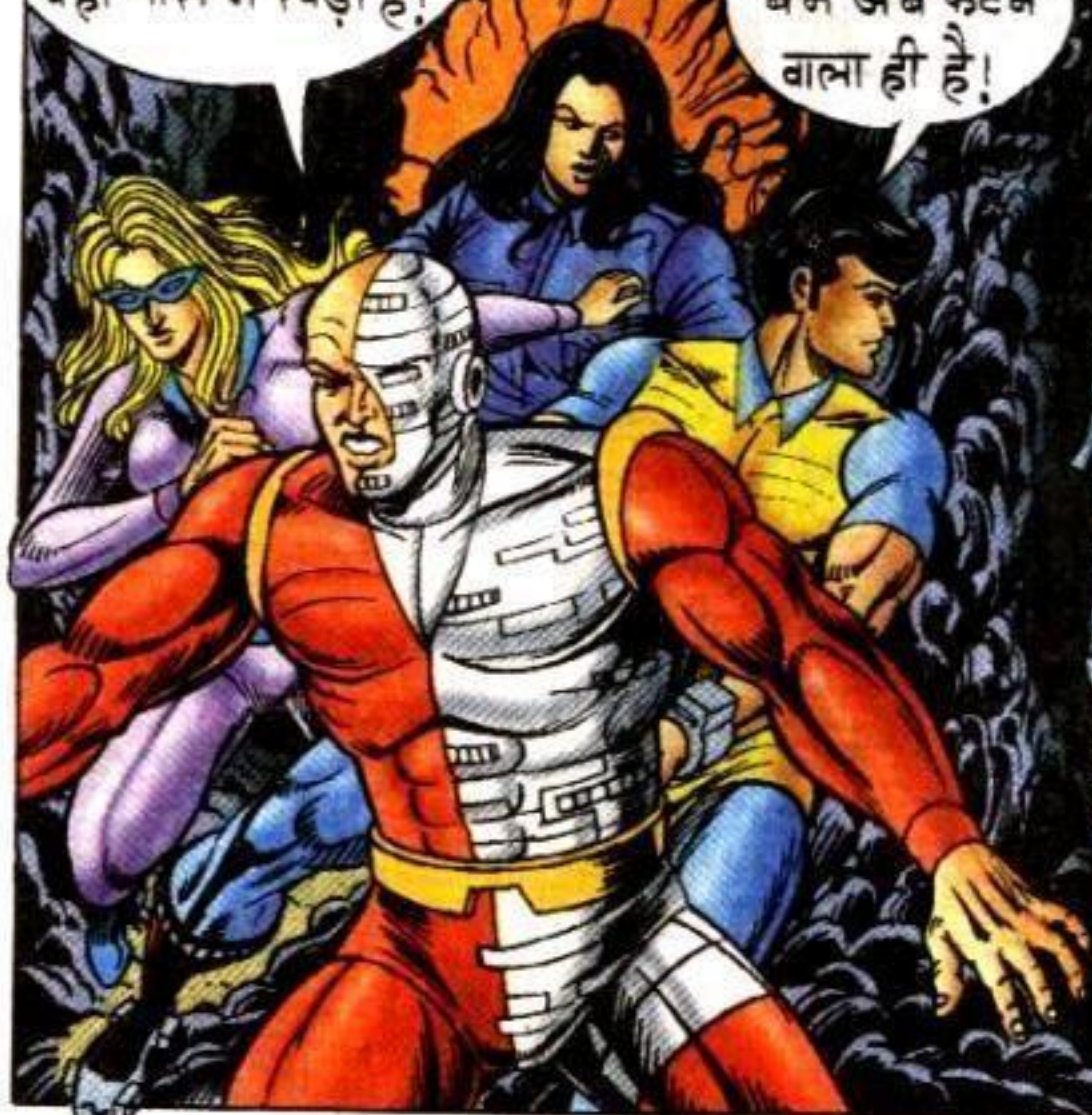
मैंने 'आत्मघाती बटन' को दबाकर अपने शरीर को एक मिनी न्यूक्लियर बम में बदल दिया है! कुछ ही देर में मेरा शरीर फट पड़ेगा!

तुम अपने साथियों के साथ बाहर निकलो ध्रुव! मैं इन गुरिल्लों को यहीं पर रोककर रखता हूँ! ताकि ये तुम्हारा पीछा न कर सकें!



जल्दी आओ ध्रुव! इधर से बाहर जाने का रास्ता है! मेरा हेलीकॉप्टर वहीं पास में खड़ा है!

रोबोट ध्रुव बम अब फटने वाला ही है!



रोबोट ध्रुव फट पड़ा! और उसके साथ-साथ ज्वालामुखी ने भी लावे को हवा में बिखेर दिया-



ओह! बाल-बाल बचे! पर ये रोबोट ध्रुव का चक्कर क्या था? और इस दौरान तुम कहाँ पर थे, ध्रुव?

लम्बी कहानी है! कभी समय मिला तो फुरसत से सुनाऊंगा, रोबो!

फुरसत तो अब हो ही गई है! हजारों साल तक तबाही मचाने के बाद आखिरकार किंगकांग और उसके गुरिल्ला गैंग का अंत हो चुका है!

उसके... ही ही ही... अंडों का भी!

मैं!

हैं?



नहीं, नताशा! किंगकांग गैंग कुछ समय के लिए चाहे लावे की पतों में दब गया हो, लेकिन अभी मरा नहीं है!

वे पृथ्वी पर विनाश फैलाने के लिए एक बार फिर आरंभ करेंगे! सैकड़ों वर्षों के बाद!

ये तुम इतने विश्वास के साथ कैसे कह सकते हो? और भविष्य में इनको विनाश फैलाने से भला कौन रोकेगा?